उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

# बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in
(वर्ष-9 अंक-15)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 13 मई, 2024

चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024
आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान अवश्य करें

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन जमकर गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ 8
भारत एवं नेपाल आश्रम में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव 6

# यूपी में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की 13 सीट पर मतदान आज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण की 13 सीट के लिए सोमवार को यानी कल मतदान होगा। इस चरण में कन्नौज में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव और खीरी में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की प्रतिष्ठा दांव पर है। चौथे चरण के 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में शाहजहांपुर (आरक्षित), खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई (आरक्षित), मिश्रिख (आरक्षित), उन्नाव, फर्रुखाबाद, इटावा (आरक्षित), कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच (आरक्षित) लोकसभा सीट हैं, जिनमें आठ सीट सामान्य श्रेणी की हैं और पांच सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इन सभी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

इन उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला दो करोड़ 46 लाख से अधिक मतदाता करेंगे। सोमवार को ही ददरौल (शाहजहांपुर जिला) विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा। ददरौल सीट पर उपचुनाव के लिए 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम छह बजे तक चलेगा। ददरौल विधानसभा सीट पर 2022 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर निर्वाचित मानवेंद्र सिंह के निधन की वजह से उप चुनाव हो रहा है। यहां भाजपा ने दिवंगत मानवेंद्र सिंह के पुत्र अरविंद सिंह और सपा ने पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा को उम्मीदवार बनाया है।

चौथे चरण में कन्नौज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और मौजूदा भाजपा सांसद सुब्रत पाठक के बीच कड़ी टक्कर है, जबकि उन्नाव में मौजूदा भाजपा सांसद साक्षी महाराज (स्वामी सच्चिदानंद हरि साक्षी) का मुकाबला सपा की अन्नू टंडन से है। भाजपा के चार उम्मीदवार - केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी), रेखा वर्मा (धौरहरा), मुकेश राजपूत (फर्रुखाबाद) और देवेन्द्र सिंह उर्फ भोले (अकबरपुर) तीसरी बार जीत की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि राजेश वर्मा सीतापुर से पांचवीं बार जीतने के लिए मुकाबले में हैं।

### राहुल के समर्थन में प्रियंका गांधी की रैली

## पीएम मोदी पर लगाया देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को देने का आरोप

रायबरेली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए उन पर देश की पूरी संपत्ति चार -पांच अमीर लोगों को देने का आरोप लगाया। रायबरेली सीट से चुनाव लड़ रहे अपने भाई एवं कांग्रेस उम्मीदवार राहुल गांधी के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए वाद्रा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी पिछले 10 वर्षों से वाराणसी से सांसद हैं। उन्होंने वहां किसी भी गांव का दौरा नहीं किया है या किसी किसान से नहीं पूछा है कि वह कैसा है।उन्होंने निजीकरण को लेकर प्रधानमंत्री पर हमला बोला। वाद्रा ने कहा, निजीकरण अपने आप में बुरा नहीं है, लेकिन अगर प्रधानमंत्री देश की पूरी संपत्ति चार-पांच अमीर लोगों को दे देते हैं, तो यह सही नहीं है। वाद्रा ने आरोप लगाया कि आज देश का कोयला, बिजली, बंदरगाह, हवाई अड्डे सब प्रधानमंत्री के मित्रों के हैं।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और इंदिरा गांधी का नाम लेते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री होने के बावजूद उन्होंने गांवों का दौरा किया और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में जाना। वाद्रा ने कहा, %%हमारे प्रधानमंत्री बड़े-बड़े आयोजन करते हैं जहां आपको कई बड़े पूंजीपति दिखेंगे लेकिन एक भी गरीब आदमी नहीं मिलेगा।

## छेड़छाड़, दुष्कर्म के मामले में भाजपा नेता देवराजे गौड़ा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। भाजपा नेता को शुक्रवार देर रात चित्रदुर्ग जिले के हिरियुर पुलिस ने गुलिहाल टोल गेट पर गिरफ्तार किया। उन्हें हासन पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि इससे पहले शनिवार को उन्हें पूछताछ के लिए हासन जिले के होलेनरासिपुरा ले जाया गया, जहां कथित तौर पर घटना हुई थी।गौड़ा को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हासन जिले की 36 वर्षीय महिला की शिकायत पर गौड़ा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता ने उसकी संपत्ति बेचने में मदद करने के बहाने उसके साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म किया।एक पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गौड़ा के खिलाफ एक अप्रैल को छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था। शुक्रवार को महिला एक बार फिर पुलिस के पास पहुंची और आरोप लगाया कि उसके साथ दुष्कर्म भी किया गया था।होलेनरासिपुरा पुलिस शनिवार सुबह चित्रदुर्ग पहुंची।

## अगर मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो 'काले दिन' देखने पड़ेंगे: उधव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दावा किया कि अगर मोदी सरकार को नहीं हराया गया तो देश को ''काले दिन'' देखने पड़ेंगे। लोकसभा चुनाव के बारे में ठाकरे ने अपनी पार्टी के मुखपत्र 'सामना' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत के लोग अपने नेताओं के भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने दावा किया, ''यदि मौजूदा सरकार को हराया जाता है तो देश का भविष्य शांतिपूर्ण होगा और लोकतंत्र फलेगा-फूलेगा...अन्यथा देश को काले दिन देखने पड़ेंगे। अच्छे दिन कभी नहीं आए लेकिन काले दिन आ जाएंगे।'' महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भ्रष्टाचारियों का संरक्षण ही 'मोदी की गारंटी' है। उन्होंने दावा किया कि अन्य सभी राजनीतिक दलों और देश को भ्रष्ट लोगों से मुक्त किया जा रहा है क्योंकि भाजपा ने उन्हें अपने पाले में शामिल करके सुरक्षा का आश्वासन दिया है। ठाकरे ने कहा, ''भाजपा सभी भ्रष्ट लोगों को 'वैक्यूम क्लीनर' की तरह शामिल कर रही है जो सभी धूल और गंदगी को सोख लेता है। कांग्रेस, शिवसेना और पूरा देश भ्रष्ट लोगों से मुक्त हो गया है।'' चुनाव प्रचार अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषणों के बारे में ठाकरे ने कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) अपने भाषणों में पाकिस्तान के बारे में बोलते हैं जबकि विपक्ष भारत के बारे में बोलता है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर चुनावी विमर्श में ''भगवान राम को लाने'' का भी आरोप लगाते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के पास विकास के मामले में दिखाने के लिए कुछ नहीं है।

## ईडी मामले में गिरफ्तारी के खिलाफ सोरेन की याचिका पर आज सुनवाई करेगा न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की एक याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ सोरेन की याचिका पर सुनवाई करेगी जिसमें उन्होंने झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका खारिज किए जाने के तीन मई के आदेश को चुनौती दी है। सोरेन ने गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका पर अदालत द्वारा फैसला दिए जाने तक लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत भी मांगी थी। उच्चतम न्यायालय ने 10 मई को सोरेन की उस याचिका का निस्तारण कर दिया जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि धनशोधन मामले में उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर वह फैसला सुनाए। पीठ ने कहा कि याचिका बेकार हो गई है क्योंकि उच्च न्यायालय तीन मई को अपना फैसला सुना चुका है और झामुमो नेता पहले ही इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दे चुके हैं।

## संदेशखालि के बारे में लगातार ''झूठ फैलाते'' रहे मोदी, पीएम पर ममता बनर्जी ने लगाए गंभीर आरोप

बारासात। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संदेशखालि के बारे में लगातार ''झूठ फैलाने'' का आरोप लगाते हुए रविवार को सवाल किया कि वह राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं और उनसे इस्तीफा देने के लिए क्यों नहीं कहा जा रहा है। उत्तर 24 परगना के अमदंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री को शर्म आनी चाहिए कि संदेशखालि के बारे में ''भाजपा की साजिश'' उजागर हो गई है। अमदंगा बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।

बनर्जी ने एक वीडियो का जिक्र करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री अभी भी संदेशखालि के बारे में झूठ बोल रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए क्योंकि भाजपा की साजिश अब उजागर हो गई है।'' वीडियो में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता कथित तौर पर यह कहते दिखते हैं कि 70 से अधिक महिलाओं को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए 2,000 रुपये मिले थे। शेख पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप है। पूर्व में एक वीडियो क्लिप में भाजपा के संदेशखालि मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल से मिलते-जुलते एक व्यक्ति को यह कहते हुए सुना गया था कि विरोध प्रदर्शन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के इशारे पर किया गया था, जो ''पूरी साजिश'' के लिए जिम्मेदार हैं।पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी के गुंडे दोषियों को बचाने के लिए संदेशखालि की पीड़ित महिलाओं को धमकी दे रहे हैं।बचाने के

सभी कानपुर नगर वासियों से अपील है कि आज अपने बूथ में जाकर मतदान अवश्य करें

सभी भारतवासियों से अपील है कि हो रहे लोकसभा 2024 के चुनाव में अपने मत का प्रयोग करते हुए मतदान अवश्य करें।

सभी कानपुर नगर वासियों से अपील है कि आज अपने बूथ में जाकर मतदान अवश्य करें

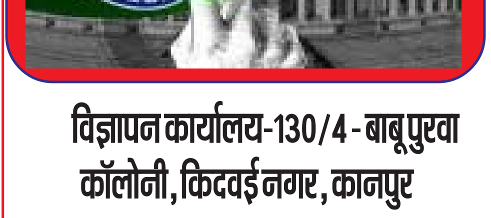

विज्ञापन कार्यालय-130/4-बाबूपुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

पहले मतदान - फिर जलपान

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

सम्पादक (बी.पी.साहू)
मो.8423454502,9335908846

## संपादकीय

### मुद्दों की भटकन

हम कहते नहीं थकते कि देश का विकास कुलांचे भर रहा है। हम दुनिया की सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था हैं। अभी पांचवें स्थान पर हैं व जल्दी ही तीसरे स्थान पर होंगे। ये ज्ञान की सदी है। 21वीं सदी भारतीय युवाओं की है। हम चांद पर पहुंचे। हमने मंगल के दरवाजे पर दस्तक दी। हमारी ओलंपिक में उपलब्धियां रहीं। पैरा ओलंपिक में हमारे मेडलों का सैकड़ा पहली बार आया। अकसर ये हमारे मीडिया की सुर्खियां हुआ करती थीं। लेकिन सवाल है कि आम चुनाव के तीसरे चरण तक आते-आते देश का राजनीतिक विमर्श इतना नकारात्मक क्यों हो गया? आखिर क्यों हम देश की जनता को सकारात्मक मुद्दों पर चुनाव में मतदान करने के लिये प्रेरित नहीं कर सकते? अब सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मुद्दों में नकारात्मकता व आक्रामकता क्यों है? क्यों राजनीतिक दलों के नेता आमने-सामने बैठकर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों व भविष्य के एजेंडे को लेकर जनता से रूबरू नहीं होते? अमेरिका व अन्य विकसित देशों में शीर्ष राजनेताओं द्वारा लंबी बहसों से जनता को समझाने का प्रयास किया जाता रहा है। आखिर अमृतकाल के दौर में पहुंचकर भी देश में मतदाता इतना जागरूक क्यों नहीं हो पाया है कि उसे क्षेत्रवाद, धर्म-संप्रदाय, जातिवाद और अन्य संकीर्णताएं न लुभा सकें? क्यों चुनाव आयोग की मुहिम में बरामद रिकॉर्ड मूल्य की वस्तुओं में आधा मूल्य नशीले पदार्थों का होता है? क्यों छोटे-छोटे प्रलोभनों के जरिये मतदाता बहकते हैं? कहीं न कहीं हमारे नेताओं ने देश के जनमानस को पूरी तरह लोकतंत्र के प्रति जागरूक करने के बजाय संकीर्णता के शार्टकट से अपना उल्लू सीधा करना चाहा है। निस्संदेह, देश में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया के जरिये समाज में जागरूकता आई है। लोग सार्वजनिक विमर्श में अखबार व अन्य मीडिया की भाषा बोलते नजर आते हैं। तो फिर वे मतदान करते समय क्यों बहक जाते हैं? आखिर क्यों कहा जाता है कि फलां जगह पचास प्रतिशत या साठ प्रतिशत मतदान हुआ है? आखिर पचास प्रतिशत या चालीस प्रतिशत वोट न देने वाले लोग कौन हैं? यहां एक तथ्य यह भी है कि यदि आम चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग धर्म, सांप्रदायिकता, क्षेत्र, जाति व अन्य संकीर्णताओं का सहारा ले रहे हैं तो कहीं न कहीं एक वजह यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी लोग इन मुद्दों की तरफ आकर्षित होते हैं? कई जगह सत्ता पक्ष के खिलाफ चुनावों में नाराजगी दिखायी देती है तो जनता फिर दूसरे राजनैतिक दल को सत्ता सौंप देती है। यह उसके पास विकल्प न होने की स्थिति होती है, लेकिन फिर दूसरा दल भी उन्हीं संकीर्णताओं को अपना एजेंडा बनाकर चुनाव मैदान में आ जाता है। सवाल यह है कि किसी दल ने अपने कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं क्यों नहीं उन्हें चुनावी मुद्दा बनाया जाता है? क्या दल विशेष को अपनी बखान की गई उपलब्धियों की जमीनी हकीकत का अहसास होता है? भारत एक विविधता की संस्कृतियों का देश है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता और जरूरतें हैं।

# राष्ट्रीय अस्मिता को सींचने का प्रथम उद्घोष

अज़ीमुल्ला खान के बारे में माना जाता है कि वे कानपुर की पराजय के बाद नाना साहिब के साथ नेपाल की सीमा की ओर निकल गए थे, जहां 28 वर्ष की आयु में बीमारी से उनकी मौत हो गई।कानपुर निवासी अज़ीमुल्ला खान न सिपाही थे न सामंत। वे अत्यंत साधारण सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से थे। उनके मिस्त्री पिता का निधन हो चुका था। वर्ष 1837-38 के अकाल में अपनी माता के साथ वे संयोग से जीवित बच पाए थे। बाद में माता का भी निधन हो गया। उन्होंने अनाथालय में रह कर और एक अंग्रेज के घर में काम करते हुए शिक्षा प्राप्त की। वे पहले कई अंग्रेजों के सचिव बने, और फिर नाना साहिब के दीवान का पद सम्हाला।

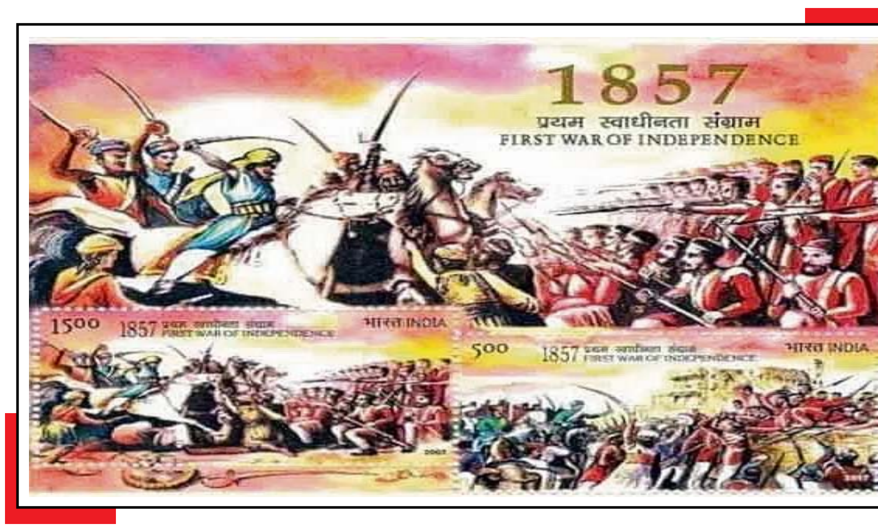


ब्रिटिश शासकों, इतिहासकारों, अध्येताओं, लेखकों, लोकगीतकारों ने 10 मई, 1857 को मेरठ से शुरू हुए सिपाही विद्रोह को कई नामों से उल्लेखित किया है। नामों की यह विविधता विद्रोह के प्रति लोगों के अलग-अलग नजरियों को दर्शाती है। नजारियों की जंग में विद्रोह को अपमानजनक संबोधन 'गदर' से लेकर 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' तक बताया गया है। हालांकि, अंग्रेजों द्वारा अपमानजनक सम्बोधन के रूप में प्रयुक्त किया गया गदर शब्द आगे चल कर भारतीयों के लिए सम्मानजनक अर्थ ग्रहण कर लेता है। भारतीय क्रांतिकारियों द्वारा अमेरिका में 1913 में गठित संगठन का नाम गदर रखा गया। अपने मुखपत्र का नाम भी उन्होंने 'गदर' रखा। सन् 1857 के विद्रोह पर करीब 75 साल बाद लिखे गए पहले हिंदी उपन्यास का शीर्षक भी 'गदर' है। अमृतलाल नागर ने विद्रोह संबंधी ब्यौरे एकत्रित किए, तो उस पुस्तक का नाम 'गदर के फूल' रखा। नोमन्क्लेचर के अलावा इस विद्रोह के चरित्र को लेकर भी कई धारणाएं मिलती हैं। उसे 'सामंती' से लेकर 'जनवादी' तक कहा जाता है। विद्रोह में मारे गए लोगों की संख्या के बारे में भी कई दावे मिलते हैं। ब्रिटिश रेकॉर्ड्स में विद्रोह में मारे जाने वाले अंग्रेजों -बच्चों और महिलाओं समेत्‌ का आंकड़ा 6000 के करीब है। विद्रोह के दमन के दौरान और दमन के बाद अंग्रेजों द्वारा की गई बदले की कार्रवाई में मारे जाने वाले भारतीय पक्ष के लोगों की संख्या 8 लाख से 30 लाख तक बताई जाती है। इसमें विद्रोह से जुड़े अकाल और महामारी में मारे जाने वाले भारतीयों की संख्या को भी शामिल किया जाता है।विद्रोह के इतिहासकारों, उससे जुड़ी विभिन्न घटनाओं और पात्रों पर आधारित संस्मरण एवं कथात्मक विवरण लिखने वाले लेखकों के लेखन में सभ्य-असभ्य और क्रूर-क्रांतिकारी का परस्पर विरोधी विमर्श भी मिलता है। वर्ष 1857 के विद्रोह के मूल में महज धार्मिक अस्मिता का प्रश्न था या विद्रोह मूलतः राष्ट्रीयता के विचार से परिचालित था- यह सवाल भी खासा विवादास्पद रहा है। कहने का आशय यह है कि 1857 के विद्रोह के विविध पहलुओं पर प्रस्तुत किए गए तर्कों-प्रतितर्कों की एक पूरी दुनिया हमारे सामने मौजूद है। विद्रोह की 167वीं वर्षगांठ पर लिखी गई इस टिप्पणी में क्रांतिकारियों के 'झंडा सलामी गीत' के माध्यम से यह जानने की कोशिश की गई है कि क्या विद्रोह के मूल में पराधीनता की पीड़ा से पैदा हुआ राष्ट्रीयता का विचार था। दरअसल, राष्ट्रीयता का विचार एक सीधा और सरल विचार कभी नहीं रहा है। युग-विशेष, युगीन परिस्थितियां, सामाजिक ताना-बाना आदि कारक राष्ट्रीयता के विचार को एक जटिल, और कई बार अंतर्विरोधपूर्ण विचार बनाते हैं। 1857 के विद्रोह के मूल में स्थित राष्ट्रीयता के विचार को भी इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

'झंडा सलामी गीत' अथवा कौमी तराना 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख पात्र अज़ीमुल्ला खान यूसुफजई ने लिखा था, और दिल्ली के 'पयाम-ए-आजादी' नामक दैनिक पत्र में प्रकाशित हुआ था। फरवरी, 1857 में शुरू किए गए इस उर्दू-हिंदी पत्र के प्रकाशक अज़ीमुल्ला खान और मुख्य संपादक बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र के पोते मिर्जा बेदार बख्त थे। (यह स्वाभाविक है कि पत्र को नाना साहिब का संरक्षण प्राप्त था। क्योंकि उनके दीवान अज़ीमुल्ला खान फरवरी, 1857 में एक फ्रेंच प्रिंटिंग प्रेस लेकर भारत आए थे, जिस पर यह पत्र छापा जाता था)। सितंबर, 1857 से यह पत्र मराठी में झांसी से भी प्रकाशित हुआ। बादशाह ज़फ़र का प्रसिद्ध 'पेंफलेट' 'पयाम-ए-आजादी' में ही प्रकाशित हुआ था। पूरे उत्तर भारत में तेजी से इस पत्र का प्रसार फैल गया था। 29 मई, 1857 को पत्र ने विद्रोह को अपना समर्थन घोषित कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने 'देशद्रोह' के आरोप में पत्र के प्रकाशन पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। बेदार बख्त को फांसी दे दी गई। अज़ीमुल्ला खान के बारे में माना जाता है कि वे कानपुर की पराजय के बाद नाना साहिब के साथ नेपाल की सीमा की ओर निकल गए थे, जहां 28 वर्ष की आयु में बीमारी से उनकी मौत हो गई।कानपुर निवासी अज़ीमुल्ला खान न सिपाही थे न सामंत। वे अत्यंत साधारण सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से थे। उनके मिस्त्री पिता का निधन हो चुका था। वर्ष 1837-38 के अकाल में अपनी माता के साथ वे संयोग से जीवित बच पाए थे। बाद में माता का भी निधन हो गया। उन्होंने अनाथालय में रह कर और एक अंग्रेज के घर में काम करते हुए शिक्षा प्राप्त की। वे पहले कई अंग्रेजों के सचिव बने, और फिर नाना साहिब के दीवान का पद सम्हाला। नाना साहिब ने बहुभाषाविद (उन्हें अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, फारसी और संस्कृत भाषाएं आती थीं) और कुशाग्र-बुद्धि अज़ीमुल्ला खान को प्रधानमंत्री के पद पर प्रोन्नत किया।ऐसा माना जाता है कि आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी अज़ीमुल्ला खान अपने इंग्लैंड प्रवास के दौरान नाना साहिब की पेंशन तो बहाल नहीं करा पाए, लेकिन ब्रिटिश आधिपत्य से भारत को मुक्त कराने का विचार और दृढ़ इरादा लेकर भारत लौटे। ब्रिटिश साम्राज्य अजेय है, यह मिथक उन्होंने अपनी आंखों से टूटता हुआ देखा। उन्होंने देखा कि क्रीमिया युद्ध में इंग्लैंड और फ्रांस की संयुक्त सेनाओं को रूस की सेना ने पराजित कर दिया है। अज़ीमुल्ला खान नवजागरण की चेतना के दायरे के बाहर की गई देश की स्वाधीनता की चिंता और प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते प्रतीत होते हैं।हम ओज के 'झंडा सलामी गीत' की व्याख्या करें तो पाते हैं कि इसमें ब्रिटिश आधिपत्य को भारत की राष्ट्रीय पराधीनता के रूप में चिन्हित किया गया है, क्योंकि हिंदुस्तानी इस मुल्क के स्वाभाविक मालिक हैं। यह सही है कि 1857 के विद्रोह का भौगोलिक विस्तार मुख्यतः उत्तर, पूर्व और मध्य भारत तक था। लेकिन क्रांतिकारियों का दावा हिमालय से समुद्र-पर्यंत हिंदुस्तान का था। यह एक जरखेज धरती है, जिसकी संपदा को अंग्रेज लूट रहे हैं। 'ऐसा मंतर मारा' की ध्वनि है कि अंग्रेजियत का जादू महत्वपूर्ण माने जाने वाले भारतीयों के सिर चढ़ कर बोल रहा था। इस ध्वनि की गूंज गांधी के 'हिंद स्वराज्य' में मिलती है, जहां वे कहते हैं कि अंग्रेजों ने हमें गुलाम नहीं बनाया, हमने खुद उनकी गुलामी कबूल की है।

यह सही है कि ज्यादातर राजे-रजवाड़ों और भारतीय ब्रिटिश आर्मी की बटालियनों ने विद्रोहियों का साथ न देकर अंग्रेजों का साथ दिया; अथवा तटस्थ रहे। नव-शिक्षित भद्रलोक द्वारा प्रवर्तित नवजागरण की चेतना का संबंध भी 1857 के विद्रोह के साथ नहीं जुड़ता। झंडा सलामी गीत में उस समय के प्रामाणिक भारतीय की कसौटी प्रस्तुत की गई है कि वही सच्चा भारतीय है ।

# उम्मीदवारी पर सोच समझ कर होना राज़ी

गोंदिया । विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत अपने 5 वर्षों में एक बार होने वाले सबसे बड़े चुनावी महापर्व के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें तीसरे चरण की 94 सीटों पर 7 मई 2024 को होने वाले चुनाव के लिए पूरी प्रक्रिया करीब करीब पूरी हो गई है,क्योंकि जो उम्मीदवार संसदीय क्षेत्र के लिए बचे हैं उनमें अब जनता देख रही है कि उम्मीदवार आपसी चुनाव प्रचार में कह रह रहे हैं कि आ देखें जरा किसने कितना है दम !दुनियां के सबसे बड़े चुनावी महापर्व में मीडिया भी जोरों शोरों से लगा हुआ है। मतदाता भी अब उम्मीदवारों को देखकर मंथन करने लग गया है कि किसे वोट देना है,व्यक्तिगत छवि या फिर राजनीतिक पार्टी !कई स्थानों पर पार्टियों के बागी उम्मीदवार उनका सिर दर्द बने हुए हैं। दूसरी ओर इस बार चुनाव आयोग भी अति सख्ती बनाए हुए हैं, जिसमें आधुनिक डिजिटल टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग किया गया है जिसमें 27 एप्स सहित आईटीसी का प्रयोग कर उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता का पालन करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प बंद कर दिया गया है। चूंकि प्रथम चरण 7 मई 2024 को 94 सीटों पर चुनाव होना है,इसलिए राजनीतिक पार्टियां व उम्मीदवार पूरी ताकत के साथ चुनावी पर्व में रंग गए हैं कि अबकी बार 400पार और अबकी बार नई सरकार ! सहित अनेक नारों से मतदाताओं को लुभा रहे हैं।चूंकि 7 मई 2024 को 94 उम्मीदवारों के फैसले की है बाज़ी,देखना है वोटर किससे कितने हैं,राज़ी इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी केसहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, हे मतदाताओं उम्मीदवार पर सोच समझकर होना राज़ी, जनहित राष्ट्रहित के मुद्दों पर लगाना है बाज़ी।

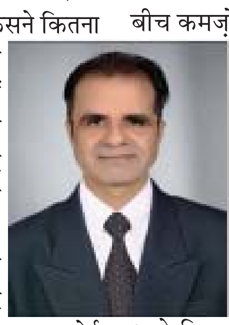

साथियों बात अगर हम राजनीतिक पार्टियों की इच्छाओं आकांक्षाओं के आंकलन की करें तो,पीएम की लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए कम से कम 370 सीटों और पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के लिए अबकी बार, 400 पार की भविष्यवाणी के बारे में राजनीतिक हलकों में विभिन्न रूप से व्याख्या की जा रही है। एक विचार यह है कि वे 1984-85 में कांग्रेस पार्टीके 414 लोकसभा सीटों के रिकॉर्डको तोड़ना चाहते हैं, जहां तक 370 की बात है, तो यह अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करने के उनकी सरकार के फैसले को भुनाने की एक रणनीति है।निश्चित रूप से विपक्षी खेमे का एक और दृष्टिकोण यह है कि ये अवास्तविक आंकड़े केवल नेताओं और मतदाताओं के बीच कमज़ोर दिल वाले लोगों को डराने के लिए हैं। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यह अहंकार का भी संकेत है, जिसका उल्टा असर हो सकता है, लेकिन विपक्षी दल के नेता केवल उम्मीद ही कर सकते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि पीएम सच में 370 का आंकड़ा पार करना चाहते हैं।आखिरकारजवाहरलाल नेहरू ने जो कांग्रेस के लिए सबसे बेहतरीन किया था वह 1957 में लोकसभा में था जब कांग्रेस को 371 सीटें मिली थीं। ये कांग्रेसी किसी तरह आश्वस्त हैं कि पीएम की सबसे बड़ी इच्छा नेहरू से आगे निकलने की है जो 16 साल 286 दिन तक प्रधानमंत्री रहे थे, इसलिए वे यह भी मानते हैं कि पीएम चौथे कार्यकाल के लिए भी तैयार हैं।खैर नेताओं को अटकलें लगाने से कौन रोक सकता है।

साथियों बात अगर हम 7 मई 2024 को होने वाले प्रथम चरण की 94 सीटों में वोटो के लिए प्रक्रिया पूरी होने की करें तो इस समय देश में 18वीं लोकसभा के गठन की प्रक्रिया चल रही है। बता दें 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को पूरा हो रहा है। ज्ञात हो, भारत निर्वाचन आयोग ने 16 मार्च 2024 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 18वीं लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पूर्ण मतदान कार्यक्रम की घोषणा की थी। आयोग के मुताबिक 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में सात चरणों में 1 जून तक मतदान होगा और वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

साथियों बात अगर हम सख्त आचार संहिता की करें तो आचार संहिता लगने के बाद किसी भी तरह की सरकारी घोषणाएं योजनाओं की घोषणा परियोजनाओं कालोकार्पण शिलान्यास या भूमिपूजन के कार्यक्रम नहीं किया जा सकता सरकारी गाड़ी, सरकारी विमान या सरकारी बंगले का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए नहीं किया जा सकता है। किसी भी पार्टी, प्रत्याशी या समर्थकों को रैली या जुलूस निकालने या चुनावी सभा करने से पहले पुलिस से अनुमति लेनी होगी।कोई भी राजनीतिक दल जाति या धर्म केआधार पर मतदाताओं से वोट नहीं मांग सकता न ही वह ऐसीकिसी गतिविधि में शामिल हो सकता है जिससे धर्म या जाति के आधार पर मतभेद या तनाव पैदा हो।राजनीतिक दलों की आलोचना के दौरान उनकी नीतियों,कार्यक्रम पूर्व रिकार्ड और कार्य तक ही सीमित होनी चाहिए।अनुमति के बिना किसी की ज़मीन,घर,परिसर की दीवारों पर पार्टी के झंडे, बैनर आदि नहीं लगाए जा सकते मतदान के दिन शराब की दुकानें बंद रहती हैं। वोटरों को शराब या पैसे बाँटने पर भी मनाही होती है।मतदान के दौरान ये सुनिश्चित करना होता है कि मतदान बूथों के पास राजनीतिक दल और उम्मीदवारों के शिविर में भीड़ इकट्ठा न हों।शिविर साधारण हों और वहां किसी भी तरह की प्रचार सामग्री मौजूद न हो।कोई भी खाद्य सामग्री नहीं परोसी जाए।सभी दल और उम्मीदवार ऐसी सभी गतिविधियों से परहेज करें जो चुनावी आचार संहिता के तहत भ्रष्ट आचरण और अपराध की श्रेणी में आते हैं- जैसे मतदाताओं को पैसे देना मतदाताओं को डराना धमकाना, फ़र्ज़ी वोट डलवाना, मतदान केंद्रों से 100 मीटर के दायरे में प्रचार करना, मतदान से पहले प्रचार बंद हो जाने के बाद भी प्रचार करना और मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक ले जाने और वापस लाने के लिए वाहन उपलब्ध कराना।राजनीतिक कार्यक्रमों पर नज़र रखने के लिए चुनाव आयोग पर्यवेक्षक या ऑब्ज़रवर नियुक्त करता है।आचार संहिता लागू होने के बाद चुनाव आयोग की इजाज़त के बिना किसी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला नहीं किया जा सकता है।आचार संहिता में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के आचरण, चुनावी सभा, रैली, जुलूस और रोड शो से जुड़े कायदे-क़ानून, मतदान के दिन पार्टियों और उम्मीदवारों के आचरण पर ध्यान होता है।आचार संहिता में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के आचरण चुनावी सभा।

**किशन सनमुखदास भावनानी**

## साजिद नाडियाडवाला की 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ नजर आएंगी अदाकारा रश्मिका मंदाना

बॉलीवुड के चर्चित फिल्म मेकर साजिद नाडियाडवाला के द्वारा निर्मित फिल्म 'सिकंदर' में, 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी अदाकारा रश्मिका मंदाना, अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आएगी। 'सिकंदर' टाइटल ने सिनेदर्शकों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। इस फिल्म को लेकर सलमान खान के फैंस इन दिनों काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म के पूर्व सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला की जोड़ी, 'किक', 'जुड़वा' और 'मुझसे शादी करोगी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी है। इस फिल्म के निर्देशक ए.आर. मुरुगडोस हैं, जिन्हें 'गजनी' और 'हॉलिडे ÷ ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी' जैसी बेहतरीन फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है, इस प्रोजेक्ट में अपना कलात्मक जादुई स्पर्श जोड़ रहे हैं, जो एक ना भूलने वाली फिल्म के अनुभव की गारंटी देता है। यह फिल्म 2025 में ईद के मौके पर दस्तक देने वाली है। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल हैंडल पर ऑफिशियल तौर पर इस खबर की घोषणा की है।

**प्रस्तुतिः काली दास पाण्डेय**

# केजरीवाल को बेल, सोरेन को जेल, इस बार न्यायतंत्र लपेटे में

## पंकज कुमार मिश्रा, व्यंग्यकार / पत्रकार जौनपुर, यूपी

अरे मिलार्ड ! आपने ये क्या किया, आखिर बेल देना ही था तो उन तमाम लोगो को दें देते जों चुनाव लड़ने की लिस्ट में है और जेल में बंद है आखिर लोकतंत्र और न्यायतंत्र दोनो में से एक को चुनना हुआ तो आपने लोकतंत्र को चुना जहाँ ऐसे आदमी को बाहर आने दिया जों स्वच्छ चुनाव को प्रभावित करेगा और चुकि घोटाले में अंदर था तो बाहर आकर वह न्यायतंत्र की भी इज्जत लूटेगा। ऐसा मानना है ट्विटर और सोशल मिडिया के ट्रोलर का जों लगातार केजरीवाल को बेल मिलने के बाद अदालती फैसलों पर सवाल खड़े कर रहें। हालांकि मेरा अथवा अखबार का इस फैसले पर कोई निजी टिप्पणी नहीं है और न्यायालय के फैसले से हम पूर्ण रूप से सहमत है क्यूंकि फैसले प्रत्यक्ष दलिलो पर होते है किन्तु सोशल मीडिया नें इसे आड़े हाथों लिया है और कहा कि जज साहब जब चुनाव कि गरिमा बचाना था तो आपने अपराधी को बेल देकर न्यायतंत्र को लुटने दिया ।लोगो नें एक्स और सोशल मिडिया पर लिखा कि बेचारे हेमंत सोरेन को भी प्रचार करने दो, उनमें कौन से कांटे लगे हैं ? आदिवासी समाज के साथ न्याय क्यों नहीं जज साहब ! हेमंत सोरेन को भी जमानत दो। हेमंत सोरेन के लिए क्या किसी सोरोस जी ने फंड अप्रूव नही किया! आगे ट्रोल में कहा गया उपद्रवी अमृतपाल को भी ज़मानत दो, वो भी तो प्रत्याशी हैं। ये पक्षपात क्यों ? सबको एक साथ जमानत क्यों नही दी गई ! न्याय में समानता का सिद्धांत का हनन हुआ । ऐसे में जेल में बंद सभी नेताओं को जमानत दे देनी चाहिए क्योंकि अभी चुनाव चल रहे हैं। उधर व्यंग्य करते हुए एक व्यक्ति नें सोशल मिडिया पर लिखा कि, खेती बाड़ी से जुड़े लोगों को भी ज़मानत मिलना चाहिए अभी गेंहू बेचने का काम चल रहा है। तर्क तो बढ़िया है लोगो का मतलब कुल मिला जुलाकार इस बार न्यायतंत्र लपेटे में है। एक ट्रोलर नें लिखा कि मै तो कहता हूं चुनाव के समय जेल में बंद सारे अपराधियों को भी छोड़ देना चाहिए आखिर उन सबको भी घर के कामकाज रहते ही हैं। सुप्रीम कोर्ट को सारे कैदियों को वोट डालने के लिए बेल देना चाहिए क्योंकि वोट डालने का उनका भी अधिकार है।ईडी नें केजरीवाल को मुख्य आरोपी बनाते हुए शराब घोटाले का सूत्रधार बताया ! इसके बाद भी केजरीवाल को जमानत मिल गई जिसके बाद लोगो की विभिन्न प्रतिक्रिया सोशल मिडिया पर वायरल हो रहीं। दुनिया के इतिहास में पहली बार कोई चुनाव प्रचार के लिए जमानत मांग रहा है और कोर्ट इसको सुन के ज़मानत दें भी दिया। केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए जमानत मिल गई और यह निर्णय देश के इतिहास में एक नजीर बना ! लोगो नें प्रतिक्रिया में लिखा कि आज केजरीवाल को जमानत दो कल हेमंत सोरेन भी इसी आधार पर जमानत मांगेगा! इस फैसले के बाद कोई लालू जेल जायेगा ही नहीं! लालू को छोड़िये कोई दाऊद इब्राहिम भी जेल नही जायेगा, वो आराम से एक राजनैतिक पार्टी का पंजीकरण करायेगा और चुनाव के समय प्रचार के लिए जमानत मांग लेगा और उसे देनी भी पड़ेगी! यहाँ पूरे 5 साल चुनाव चलते हैं तो यह मानकर चलिए कि दुर्दांत से दुर्दांत अपराधी भी 5 मे से ढाई साल मौज मारेगा! जो लोग पूछ रहे थे कि भाजपा ने चंडीगढ़ मेयर के छोटे से चुनाव में भी टेढी उंगली क्यु की उसका जवाब आज सोशल मिडिया से आया, जब तक इन ताकतो का राजनैतिक पटल पर से संपूर्ण सफाया नही हो जाता तब तक देश के लिए कोई भी अच्छा काम ये लोग होने नही देंगे! यही कारण है कि मैं कई अजीब से दिखने वाले मामलों में भी भाजपा की आलोचना नही करता हूँ जब तक कि वह अनैतिक ना हों जाए ! वे किन लोगो से लड़ रहे है हम सबको पता है।केजरीवाल के बाहर आने से चुनाव परिणाम बदलने वाला नही है किन्तु दिल्ली फिर कंन्फ्यूज होगी ! ये वही आदमी है जिसे बनारस में मोदी जी मात दें चुके है और इसकी नाक के नीचे से दिल्ली की सातों सीट 2 बार निकाल चुके है! लेकिन अनैतिक के विरुद्ध आवाज उठानी तो बनती ही है, इन तानाशाह बन चुके लोगो के विरुद्ध तो बोलना ही चाहिए! इनके द्वारा बेल मांगकर देश के न्यायिक तंत्र को कलंकित करने के प्रयास को विफल तो करना ही चाहिए था !

## अपनी समस्या हमें बतायें

**आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।**

**दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।**

**फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com**

## आवश्यक सूचना

**प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सम्पादक**

## आवश्यकता है

**बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।**

**सम्पर्क करें -:**

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

# नरेन्द्र मोदी जैसे चौकीदार के रहते हमारी माताओं,बहनों के मंगलसूत्र व गहने पूर्णतः सुरक्षित- महेश त्रिवेदी

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर ।कांग्रेस अपनी आदत के मुताबिक अब हमारी माताओं बहनो के मंगलसूत्र व गहनों पर लूट की योजना पर काम कर रही है ।संपत्ति पर सर्वे की बात कर रही है ।इनके गलत मंसूबों को इनके घोषणापत्र से चौकीदार मोदी जी ने ढुंढ निकाला है ।अब ये इधर-उधर की बाते कर रहे है ।इंडी गठबंधन नही यह ठगबंधन है। उक्त बाते किदवई नगर विधानसभा के विधायक महेश त्रिवेदी ने कही।

साकेत नगर स्थित भाजपा किदवई नगर विधानसभा के चुनाव कार्यालय में वरिष्ठ जनो के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक त्रिवेदी ने इंडी गठबंधन खासकर कांग्रेस पर चुन चुनकर जोरदार जुबानी हमले किए ।उन्होंने कहा कि आज पूरा विपक्ष मुद्दा विहीन है ।देश के विकास एवं गरीबों के कल्याण के लिए उनके पास कोई विजन नही है ।कांग्रेस के स्टार प्रचारक अपने भाषणों में तो आम जनता की संपत्तियों एवं हमारी माताओं बहनों के गहनों की सर्वे की बात नही करते परन्तु इनकी पार्टी के घोषणा पत्र मे इसका साफ तौर पर जिक्र हैं ।यह सब सोच रहे थे कि जनता को भ्रम में रखकर अपने मकसद मे कामयाब हो जाएंगे परन्तु देश के चौकीदार ने समय रहते इनके लूट के इरादों को न केवर भांप लिया बल्कि आम जनता के सामने इनकी पोल पट्टी भी खोल कर रख दी ।उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ जनो की चर्चा करते हुए कहा कि जब तक जोश के साथ अनुभव नही होगा हम सफलता की उम्मीद नही कर सकते ।चुनाव संचालन समिति के संयोजक एवं पूर्व भाजपा दक्षिण जिला अध्यक्ष रामदेव शुक्ला ने कहा कि वरिष्ठ जन पार्टी की अमूल्य धरोहर है ।भाजपा ने हमेशा वरिष्ठ जनो का आदर सम्मान किया है ।उन्होंने वरिष्ठ जनो से कहा कि वे आगामी 13 मई को पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी के पक्ष मे मतदान के लिए अभी से पूरी ताकत से जुट जाए ।कानपुर लोकसभा चुनाव सहप्रभारी कौशल किशोर दीक्षित ने कहा कि शहर में 13 मई को चुनाव है इस बार चुनाव आयोग ने बुजुर्ग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की है ।85 साल के ऊपर वरिष्ठ जनो के लिए एवं 40त्न से ऊपर के विकलांग लोगों के वोट घर पर ही मतदान करने की सुविधा दी गई है। ऐसे लोगों के 8 से 10 मई तक पोलिंग पार्टी स्वयं मतदाता के घर आकर मतदान कराएगी ।उन्होंने कहा कि यह मोदी ही की गांरटी है कि ज्यादा बुजुर्गों को बिना लाइन लगे घर पर ही मतदान की सुविधा दी गई है ।विधायक ने वरिष्ठ जनो के सम्मान में भोजन की भी व्यवस्था की ।कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने वरिष्ठ भाजपाइयों के साथ भोजन किया।

## गुरु ग्रंथ साहिब की तालाशी की घटना से सिखों के दिलों को गहरी चोट

कानपुर, हरियाणा के नारायणगढ़ स्थित गुरुद्वारा श्री रातगढ़ साहिब में 29 अप्रैल से चल रहे गुरमति समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी के आगमन से पूर्व जिस प्रकार श्री गुरु ग्रंथ साहिब की तलाशी ली गई उसने दुनिया भर के सिखों के दिलों को गहरी ठेस पहुंचाई है ।समाजवादी पार्टी नेता कवलजीत सिंह मानू व कांग्रेस नेता अवनीश सिंह सलूजा ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना पर घोर आपत्ति व्यक्त की और कहा कि यह हम सभी के लिए सोचने और विचार करने का समय है कि जो

अब तक कभी नहीं हुआ वह भारत में भी होने लगा है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोग भी गुरुद्वारों में नतमस्तक होने के लिए आते रहे हैं मगर सुरक्षा के नाम पर ऐसा घिनौना कृत्य आज तक कभी नहीं हुआ। श्री अकाल तख्त साहिब को इस मामले का संज्ञान लेते हुए कार्यक्रम के प्रबंधकों को अकाल तख्त साहिब तलब कर कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए जिन्होंने ऐसा होने दिया क्योंकि हमारे लिए श्री गुरु ग्रंथ साहिब का आदर सर्वोपरि है ना कि कोई मंत्री या नेता।

## मोदी को विजय दिलाने की साहू समाज ने भरी हुंकार, भाजपा को जिताने का लिया संकल्प

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । साहू समाज की एक बैठक माथुर वैश्य धर्मशाला रायपुरवा में आयोजित हुई। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा के बैनर तले हुई इस बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। पार्षद विकास साहू की ओर से अयोजित बैठक में भाजपा कानपुर लोकसभा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

इस दौरान कहा गया की देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के कुल गौरव है। मोदी जी के नेतृत्व में देश प्रगति के मार्ग पर है। कानपुर में मोदी जी के दूत बनकर रमेश अवस्थी आए हैं। बैठक में भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी को पूर्ण समर्थन देने का वादा किया गया। इस दौरान संकल्प लिया गया कि ज्यादा से ज्यादा भाजपा के पक्ष में मतदान कराकर रमेश अवस्थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत किया जाएगा। भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी ने वोट की अपील की साथ ही चुनाव जीतने के बाद कानपुर के चहुमुखी विकास करने का वादा किया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत साहू ने और संचालन कानपुर जिला अध्यक्ष नरेश साहू ने किया। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता सुरेश अवस्थी, कानपुर नगर निगम के उप सभापति सन्तोष साहू, डॉ राम आसरे साहू, विजयलक्ष्मी साहू, श्यामलाल साहू, शिवनाथ साहू, रामबली साहू, धनपत साहू, डॉक्टर पंकज प्रभात, राजेश साहू, विक्की साहू, दिनेश राठौर, राकेश साहू, रिंकू साहू, दिनेश साहू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

## विश्व थैलेसीमिया दिवस पर बाल रोग सभागार हैलेट में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । भारतीय बाल रोग अकादमी कानपुर शाखा द्वारा विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर बाल रोग सभागार हैलेट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अमितेश यादव व डॉक्टर यशवंत राव ने कियाद्य कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉक्टर ए के आर्या ने बताया कि प्रत्येक वर्ष भारत में 10000 से 15 000 बच्चे थैलेसीमिया रोग के साथ पैदा होते हैंद्य इनमें से ज्यादातर बच्चों में चार से 12 महीना में लक्षण दिखाना शुरू हो जाते हैं जैसे शरीर में खून की कमी, थकान, कमजोरी , भूख न लगना, शरीर का रंग फीका पारना ,तिल्ली एवं लीवर का बढ़ना, शारीरिक विकास में देरी ,चेहरे की बनावट में बदलाव दांतों का बाहर निकलना हड्डी कमजोर होना इत्यादि।

उन्होंने बताया, इसका उपचार पर्याप्त प्रत्येक 3 से चार सप्ताह तक खून चढ़ाना एवं आयरन काम करने की दवाएं देना है द्यबोन ट्रांस प्लांट द्वारा द्वारा इसका पूरी तरह इलाज किया जा सकता है परंतु या काफी महंगा है जीन थेरेपी इसके उपचार में आशा की नई किरण की तरह है जो कि अभी प्रायोगिक दौर में है। डॉ दीपांकर भट्टाचार्य ने बताया कि थैलेसीमिया एक गंभीर वंशानुगत हीमोग्लोबिन संबंधी विकार है जिसमें लाल रक्त कणिकाएं समय से पूर्व क्षतिग्रस्त हो जाती है और शरीर में खून की कमी हो जाती है उन्होंने बताया कि थैलेसीमिया ग्लोबिन जीन में विकृति आने से होता है अगर व्यक्ति में एक जीन खराब होता है तो वह थैलेसीमिया का करियर या माइनर कहलाता है दोनों जीन खराब होने पर थैलेसीमिया मेजर रोग होता है उन्होंने बताया कि माता-पिता दोनों अगर कैरियर होते हैं तो उनके बच्चों में थैलेसीमिया मेजर की संभावना 25त्न तक होती है बीमारी का इलाज कठिन एवं बचाओ बचाओ बेहतर है द्य कार्यक्रम का उद्घाटन उप प्रधानाचार्य रिचा गिरी ने किया द्यकार्यक्रम में डॉक्टर शैलेन्द्र गौतम, डॉक्टर रूपा डालमिया, डॉक्टर प्रतिभा सिंह डॉक्टर नेहा अग्रवाल डॉ वी एन त्रिपाठी आदि डॉक्टर मौजूद रहे।

## दिमागी असंतुलन के चलते युवक ने लगाई फांसी

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर ।मोटर मकैनिक का काम करने वाले एक युवक, जिसका बीते कुछ समय से दिमागी संतुलन ठीक नहीं था, उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच कर कार्यवाही की।

उर्मिला पत्नी तेज बहादुर सिंह ने उपस्थित थाना कोतवाली आकर सूचना दी कि उनका बेटा हरी बाबू पुत्र तेज बहादुर उम्र 25 वर्ष जो पूर्व में मोटर मैकेनिक का काम करता था जिसका करीब चार-पांच महीने से दिमागी संतुलन ठीक नहीं था, वह नवीन मार्केट में छत के ऊपर बने टीनशेड में रहता था। आज सुबह छत की बल्ली में चादर से गले में फंदा बांध कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस बल व फील्ड यूनिट टीम के साथ मौके पर पहुंचे, फील्ड यूनिट टीम द्वारा शव का निरीक्षण किया गया। पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई।

## सीएसजेएम यूनिवर्सिटी ने डायट से किया समझौता

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की मौजूदगी में सीएसजेएमयू के शिक्षक शिक्षा विभाग ने डायट कानपुर देहात और डायट कानपुर नगर के साथ समझौता किया है। विवि के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार यादव ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्य राजू राणा, एडी बेसिक राजेश वर्मा, डॉ. मोनिका के साथ समझौता किया। इस समझौते के बाद शिक्षा के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक पक्षों का प्रभावपूर्ण क्रियान्वयन तथा इन्हें अधिक उत्पादक बनाए जाने, शोध तथा शिक्षण के लिए तीनों संस्थान मिलकर काम करेंगे। नेप 2020 में डायट को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (शिक्षण एवं प्रशिक्षण की उत्कृष्ट संस्थान) के रूप में विकसित कर डायट का स्ट्रेंथनिंग करने पर फोकस किया गया था इसी के क्रम में एससीईआरटी उत्तर प्रदेश के मार्गदर्शन से यह समझौता करने का निर्णय लिया गया। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्य, शोधार्थी, प्रशिक्षु एवं शैक्षिक तथा मानवीय संसाधनों के संयुक्त आदान-प्रदान या संदर्भित क्षेत्र में संयुक्त भागीदारी द्वारा बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण नवाचार एवं शोध के मध्यम से ज्ञान के अद्यतनिकरण एवं विस्तार द्वारा एक सभ्य समाज के विकास में योगदान देना है।

## नौबस्ता कच्ची बस्ती में कपड़े व चिप्स ,बिस्किट वितरण किया गया

### संस्था 6 साल से लगातार समाज के हित के लिये कार्य कर रही है

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर । ओम जन सेवा संस्थान की कानपुर टीम के तत्वाधान मे नौबस्ता चौराहे के पास कच्ची बस्ती में संस्थापक/अध्यक्ष शिव देवी अग्रपहरि (सीमा) के नेतृत्व में गरीबो,असहाय व जरूरत मंद कपड़े ,बिस्कुट, कुरकुरे व फल का वितरण किया गया।

छोटे व नन्हे मुन्ने बच्चें कपड़े ,बिस्कुट, कुरकुरे व फल पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर ओम जन सेवा संस्थान की अध्यक्ष शिव देवी अग्रहरि (सीमा) ने बताया कि संस्था के द्वारा 6 वर्ष से लगातार समाज के हित के लिए कार्य कर रही है

आज हमारी टीम ने नौबस्ता चौराहा के पास कच्ची बस्ती में जाकर आज संस्था ने बच्चों को कपड़े ,फल, कुरकुरे व बिस्कुट वितरण किया गया । हमारी संस्था हमेशा जरूरतमंद की मदद करती आ रही है ।इस तरह के कार्य करने से मन मे अपार खुशी व आनन्द मिलता है। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिव देवी अग्रहरि (सीमा) , जगमहेन्द्र अग्रवाल, शैलेन्द्र गुप्ता, मंडला मुखी मन्नत मां आदि लोग मौजूद रहे।

## रंपत हरामी का नौटंकी विद्या में एक दौर था...

### रंपत हरामी की कानपुर के एलएलआर हॉस्पिटल में मौत हो गई, उत्तर भारत के गांव और कस्बों से लेकर अन्य शहरों में बड़ा नाम था

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। नौटंकी विद्या के बड़े कलाकार रंपत हरामी की कानपुर के एलएलआर हॉस्पिटल में मौत हो गई। हमारे बीच नहीं रहे. अपने पीछे पूरा एक दौर जीने के बाद ही गए हैं।

बताया जाता है कि 80 और 90 के दशक में शायद ही कोई हो जो रंपत हरामी को न जानता हो. गांव, कस्बों और शहरों में खूब कार्यक्रम होते थे तो भीड़ अनकंट्रोल हो जाती थी . खास बात यह है कि बिना पुलिस और प्रशासन की परमिशन के बिना प्रोग्राम नहीं होते थे. रंपत हरामी और रानीबाला की जोड़ी की बड़ी डिमांड थी. जाति से ठाकुर यानि भदौरिया थे रंपत, लेकिन अपनी द्विअर्थी संवादों की शैली ने उन्हें हरामी बना दिया. किसी ने एक बार मजाक में हरामी क्या कहा, तब लेकर आज तक हरामी शब्द ही उनकी पहचान बन गया. रंपत ने एक बार बताया था कि उनके पिता पुलिस में इंस्पेक्टर थे, परिवार चाहता था कि वे पुलिस में जाएं या अच्छी नौकरी करें. पर रंपत चुलबुले थे, हाजिर जवाबी थे, एक नौटंकी में खूबसूरत रानीबाला को देखा तो उनके ही हो लिए. नौटंकी की कमान संभाल ली. समय बदला तो नौटंकी सिमटी, मोबाइल और टीवी के दौर ने मनोरंजन के तरीकों को बदला. अब नौटंकी सिमट गई. आप रंपत से सहमत और असहमत हो सकते हैं. क्योंकि नौटंकी में द्विअर्थी बातें ही होती थी, लेकिन उनकी पर्सनॉलिटी से बिल्कुल असहमत नहीं हो पाएंगे. क्योंकि एक दौर में युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक की जुबान पर रंपत हरामी के द्विअर्थी डायलॉग होते थे। कहते हैं समय सब बदल देता है. हालांकि, अब यूटयूब पर उनके वीडियो आते थे. पर अब न तो वे दर्शक रहे थे और न वैसे कद्रदान. फिर भी अस्तित्व की लड़ाई तो रंपत लड़ ही रहे थे. अब एक दौर जीकर रंपत अब अनंत यात्रा पर चल पड़े हैं. अब कानपुर की भाषा में कहें तो रंपत का हरामीपना वाकई में एक दौर को याद आता है.

कैसा न्याय

चर्चित कानपुर का दिव्या हत्याकांड

# बच्ची से कुकर्म और हत्या में उम्रकैद की सजा पाए दोषी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत

**चर्चित दिव्या हत्याकांड में मुख्य आरोपी पीयूष 13 साल आठ माह से जेल में बंद है। अब दोषी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है।**

करीब 13 साल पहले स्कूल में कक्षा छह की छात्रा के साथ हुए कुकर्म और उसकी हत्या के दोषी स्कूल प्रबंधक के पुत्र पीयूष वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत व न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने पीयूष को सशर्त जमानत दे दी है। उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तारीख नियत की है।

बीपीएस न्यूज

कानपुर। करीब 13 साल पहले स्कूल में कक्षा छह की छात्रा के साथ हुए कुकर्म और उसकी हत्या के दोषी स्कूल प्रबंधक के पुत्र पीयूष वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत मिल गई है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत व न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की खंडपीठ ने पीयूष को सशर्त जमानत दे दी है। उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई के लिए 11 सितंबर की तारीख नियत की है।

रावतपुर स्थित स्कूल में 27 सितंबर 2010 को कक्षा छह की छात्रा के साथ कुकर्म और हत्या की बात सामने आई थी। मामले की जांच सीबीसीआईडी ने की थी। जांच में स्कूल प्रबंधक के पुत्र पीयूष को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इसके अलावा स्कूल प्रबंधक चंद्रपाल, उनके बड़े पुत्र मुकेश और लिपिक संतोष के खिलाफ भी चार्जशीट कोर्ट में पेश की गई थी। सेशन कोर्ट ने पांच दिसंबर 2018 को पीयूष को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

वहीं, गैर इरादतन हत्या और जानबूझकर अपराध की सूचना न देने का दोषी मानते हुए मुकेश और संतोष को एक-एक साल के कारावास से दंडित किया था। स्कूल प्रबंधक चंद्रपाल को दोषमुक्त कर दिया गया था। सजा के खिलाफ अपील पर हाईकोर्ट ने मुकेश व संतोष की सजा माफ कर दी थी, जबकि पीयूष की सजा बरकरार रखी थी।

अधिवक्ता के मुताबिक... कोर्ट ने माना कि सुनवाई में लग रहा समय

अधिवक्ता गुलाम रब्बानी ने बताया कि पीयूष ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर रखी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि अपील की सुनवाई में समय लग रहा है और पीयूष लगभग 13 साल आठ माह से जेल में बंद है। ऐसे में उसे सेशन कोर्ट में जमानत दाखिल करने पर रिहा करने के आदेश कर दिए। पीयूष को अपना पासपोर्ट भी सेशन कोर्ट में जमा करने के निर्देश दिए हैं।

## प्राइमरी स्कूल में फांसी पर लटका मिला युवती का शव

विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर थाना क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार सुबह एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। स्कूल में पढ़ने आए बच्चों ने जब यह नजारा देखा तो दहशत का शिकार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं मृतका के परिजनों ने हत्या कर शव को स्कूल में लटकाने का आरोप लगाया है।

चौबेपुर थाना क्षेत्र में स्थित बनसठी गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय है। स्कूल में गुरुवार सुबह बच्चे और शिक्षक पहुंचे तो स्कूल में नजारा देखकर सभी दंग रह गए। स्कूल में युवती का शव पेड़ से लटकता मिला। जानकारी मिलते ही गांव के सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर जांच करने के लिए पहुंची। फिलहाल शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतका के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है।

# अतिक्रमण से नर्क बना सीटीआई चौराहा

**स्थानीय दुकानदारों ने कब्जा करके फुटपाथ तक खोली दुकानें ◂◂ राहगीरों को आवागमन में हो रही भारी परेशानी**

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के प्रमुख चौराहा जो कि सीटीआई के नाम से जाना जाता है। यहाँ से आप कानपुर सेंट्रल, झकरकटी बस अड्डा, विजय नगर, रावतपुर, कल्यानपुर, बर्रा-6, 7 व 8, जरौली, रतनलाल नगर, दबौली, गुजैनी के लिये आप आटो, विक्रम, ई-रिक्शा आदि से जा सकते हो। सी. टी. आई. चौराहे की मार्केट से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की उपलब्धता हमेशा रहती है अर्थात आवश्यकताओं की दृष्टि से यह चौराहा बहुत ही महत्वपूर्ण है। लेकिन, अगर आप अपने वाहन से यहाँ आते हैं और सामान खरीदने के दौरान उसे खड़ा करने की जगह खोजते हैं तो शायद ही कुछ जगह उपलब्ध हो पाये।

कारण यह है कि यहाँ की दुकानों का क्षेत्रफल भले ही 10 वर्ग मीटर हो लेकिन यहाँ के दुकानदारों द्वारा पूरे फुटपाथ पर अतिक्रमण कर लिया जाता है। इसके साथ ही आटो, विक्रम, ई-रिक्शा की अराजकता किसी से छुपी नहीं है। उनको तो पूरे शहर में हर तरह की छूट मिली हुई है। ऐसे में अगर आपने अपने वाहन को मजबूरी में सड़क पर खड़ा कर दिया तो प्रबल सम्भावना यह रहती है कि यातायात पुलिस द्वारा आपके निजी वाहन का चालान 'नो पार्किंग' के तहत किया जा सकता है अथवा सड़क पर वाहन खड़ा करने पर पुलिस के जवानों की डांट का सामना करना पड़ सकता है ।

ऐसे में सवाल यह उठता है कि सड़क के दोनों तरफ का अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था सम्भालने की जिम्मेदारी लेने वाली यातायात पुलिस व कानपुर नगर निगम को क्यों नहीं दिखता ?। उन्हें नो पार्किंग में खड़ा निजी वाहन ही क्यों दिखता है ?

गौरतलब हो कि ऐसे नजारे सिर्फ सी. टी. आई. चौराहे पर ही नहीं देखे जा सकते हैं बल्कि कानपुर स्मार्ट सिटी के प्रमुख चौराहों पर भी देखे जा सकते हैं।

# मासिक धर्म की दुश्वारियो को लेकर किया जागरूक

**फिक्की फ्लो कानपुर व यती संकल्प संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अस्पताल घाट सेवा बस्ती में पहुंची टीम ◂◂ प्रोजेक्ट पंख के तहत चलाया जा रहा है अभियान ◂◂ नीतू सिंह की अगवाई में बस्तियों में पहुंच रही जागरूकता**

कानपुर। फिक्की फ्लो कानपुर व यती संकल्प संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में अस्पताल घाट सेवा बस्ती में प्रोजेक्ट पंख के माध्यम से महिलाओं के बीच मासिक धर्म संबंधी जागरूकता अभियान चलाया गया, इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. तनुषा ने नवीन और पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों के बारे में बताते हुए मासिक धर्म में कप की उपयोगिता को समझाया। यती संकल्प संस्थान की सचिव नीतू सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए मासिक धर्म के दौरान रखी जाने वाली संबंधी सावधानियों के बारे में बताया व सभी महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित किए। इस दौरान फिक्की फ्लो की चेयरपर्सन नलिनी सनवाल ने बताया कि हम न केवल तत्काल जरूरत को पूरा करने में विश्वास रखते हैं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान, पर्यावरण चेतना को बढ़ावा देने वाले स्थाई समाधानों के साथ उन्हें सशक्त बनाना चाहते हैं। इस दौरान डॉ. अनुराधा वार्ष्णेय, नम्रता गर्ग, शोभा खेमका, मौली श्री जाखोडिया, व पारुल राजोरिया सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

# छोटे भाई का हत्यारोपी भाई गया जेल

**रूरा पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर बरामद किया चाकू**

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। बीते मंगलवार को जमीनी विवाद के चलते बड़े भाई द्वारा सगे छोटे भाई की चाकू मारकर की गई हत्या के मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने हत्यारोपी को मुखबिर की सूचना पर महज 16 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने हत्यारोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया है।

बताते चलें कि कानपुर देहात के रूरा थाना क्षेत्र के जिनई गढ़ेवा गांव में दो सगे भाइयों उमाशंकर व रमाशंकर पुत्र स्वर्गीय कृपाल सिंह बहेलिया के बीच में जमीनी विवाद चल रहा था ।मंगलवार को मामले को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत रखी गई थी।

इसी बीच में बड़े भाई उमाशंकर ने आक्रोश में आकर अपनी जेब में रखी चाकू निकालकर छोटे भाई रमाशंकर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया ।जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गई। तत्पश्चात हत्यारोपी मौका पाकर मौके से फरार हो गया ।सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था तथा परिजनों की तहरीर पर हत्या का अभियोग पंजीकृत कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस ने बुधवार सुबह मुखबिर की सूचना पर हत्यारोपी उमाशंकर को हत्या के महज 16 घंटे के भीतर मुरलीपुर कहिंजरी रोड पर रिंद नदी के पास दबोच लिया ।पुलिस ने हत्यारोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल चाकू भी बरामद कर लिया है ।थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि हत्यारोपी को जेल भेज दिया गया है।

## जल निगम की लापरवाही से टूट रही सड़क

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात ।अमरौधा ब्लाक के मांचा गांव में बीच रास्ते में जल निगम की लापरवाही से लीकेज नही सही करने से रास्ते में जलभराव हो रहा है और सड़क उखड़ रही है। जिससे लोगो को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया की मतदान केन्द्र को जाने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गांव के जयकरन,अखिलेश, चरन, आकाश सविता, विकास, सुरेश आदि ग्रामीणों ने बताया की जल निगम की लापरवाही से लाखो रुपए से बनी सड़क खराब हो रही है। ग्रामीणों ने जल्द समाधान कराए जाने की मांग की है।

# छह दिन स्कूल नहीं गया बच्चा तो हेडमास्टर पहुंचेंगे घर

बीपीएस न्यूज

कानपुर/लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की औसत उपस्थिति 75 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य लेकर विभाग कार्य कर रहा है।

ऐसे में यदि बच्चा छह दिन स्कूल नहीं आएगा तो हेड मास्टर उसके घर तक पहुंचेंगे ।परिषदीय स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए तमाम कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत विभाग इस तरह योजना बना रही है कि अगर कोई छात्र कुछ दिनों तक लगातार एब्सेंट रहे तो इस बारे में उसके पैरेंट्स से बात की जाए साथ ही अगर ये अनुपस्थिति और लंबी खिंचती है तो पैरेंट्स से पहले फोन पर बात की जाएगी और बाद में टीचर उनके घर विजिट करेंगे। इसके अलावा भी तमाम तरीके अपनाए जा रहे हैं ताकि स्कूलों में छात्रों की अटेंडेंस बढ़ायी जा सके।

**घर पहुंचेंगे टीचर-**

अभी परिषदीय स्कूलों में हर रोज तकरीबन 60 प्रतिशत स्टूडेंट्स आ रहे हैं बाकी के छात्रों को भी स्कूल बुलाने की कवायद तेज कर दी गई है। इसके अंतर्गत योजना बनाई गई है कि कोई छात्र तीन दिन तक लगातार स्कूल न आए तो अभिभावकों से फोन पर बात की जाए। वहीं 6 दिन तक लगातार स्कूल न आने पर शिक्षक उसके घर जाएंगे।

**अगर ये है स्कूल न आने की वजह-**

टीचर घर जाकर देखेंगे कि स्कूल न आने की वजह क्या है। अगर छोटे भाई-बहनों की देखभाल के कारण बच्चा स्कूल नहीं आ रहा है तो उसके भाई-बहनों को आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रवेश कराया जाएगा।इसके लिए तमाम स्कूलों के कैम्पस में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्री प्राइमरी स्कूलों में बदला गया है। अगर खेती या घर के दूसरे कामों की वजह से बच्चा स्कूल नहीं आ रहा है तो टीचर उसके पैरेंट्स को समझाएंगे कि स्कूल और शिक्षा का क्या महत्व है। ऐसे में बच्चों को और उनके अभिभावकों को स्कूल की महत्ता समझाकर रोज स्कूल आने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

**बेहतर प्रदर्शन पर होगा सम्मान**

स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने के लिए बच्चों को हर तरह से प्रेरित किया जा रहा है। इसके तहत हर विकासखंड के ऑफिस में लगे बोर्ड पर उस ब्लॉक के पांच ऐसे स्कूल और उनके प्रधानाध्यापकों का नाम लिखा होगा जहां सबसे ज्यादा स्टूडेंट्स प्रेजेंट होते हैं। इतना ही नहीं हर महीने होने वाली ब्लॉक स्तरीय मीटिंग्स में इन स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया जाएगा।

# बाबरी मस्जिद के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने खूब की मोदी की तारीफ, बोले- चाहता हूं कि वह फिर से पीएम बनें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को अयोध्या दौरे और रोड शो को लेकर राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पिछले 10 साल का कार्यकाल बहुत अच्छा रहा है और वह चाहते हैं कि वह फिर से प्रधानमंत्री बनें। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद पहली बार पीएम मोदी के अयोध्या आगमन पर मीडिया से बात करते हुए अंसारी ने कहा, 'पीएम मोदी भाग्यशाली हैं कि उनका चुनाव अभियान राम की नगरी से शुरू हो रहा है।'

इस साल जनवरी में, अयोध्या भूमि विवाद मामले के पूर्व वादी को भी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर अभिषेक समारोह में आमंत्रित किया गया था। यह निमंत्रण उन्हें राम पथ के पास कोटिया पंजीटोला स्थित उनके घर पर दिया गया। 30 दिसंबर को अयोध्या में जब प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन और एक नवनिर्मित हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था, तो वहां एकत्र हुए और उनका स्वागत करने वाले सैकड़ों लोगों में वह भी मौजूद थे।

अंसारी बाबरी मस्जिद के एक महत्वपूर्ण प्रस्तावक रहे हैं और उन्हें 5 अगस्त, 2020 को राम मंदिर के 'भूमिपूजन' समारोह में भी आमंत्रित किया गया था। भूमि पूजन समारोह के दौरान उन्होंने कहा था कि अयोध्या में गंगा-जमुनी-तहजीब है और यहां सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान किया जाता है। शायद, यह भगवान राम की इच्छा थी, इसलिए मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।' अयोध्या में रहने वाले हिंदू और मुसलमानों में कोई अंतर नहीं है। मामला अब सुप्रीम कोर्ट ने सुलझा लिया है।

# पिछले तीन लोकसभा चुनावों में 'सर' थे, इस बार 'मैडम' कहलाएंगी

एक निर्वाचन अधिकारी के रूप में निलेश महेता या यूं कहें कि बीजल महेता का यह चौथा लोकसभा चुनाव है. गुजरात सरकार के इस अधिकारी ने 2009 के बाद हुए हर लोकसभा चुनाव में मतदान कराया है. इससे पहले के तीन लोकसभा चुनावों में, जब वह जाते थे तो उन्हें 'सर' कहकर पुकारा जाता था. 2020 में उन्होंने सर्जरी के जरिए लिंग परिवर्तन करा लिया और महिला बन गए. एक महिला अधिकारी के रूप में 2024 के लोकसभा चुनाव उनके लिए पहले होंगे. अब उन्हें पोलिंग बूथ पर 'मैडम' कहा जाएगा. फिलहाल महेता की पोस्टिंग वडोदरा में डिप्टी मामलातदार (राजस्व अधिकारी) के पद पर है. वह वडोदरा कलेक्ट्रेट की चुनाव शाखा में तैनात हैं. उनके सिर पर नामांकन, कानून एवं व्यवस्था, संवेदनशील पोलिंग बूथ, वेबकास्टिंग और अन्य जिम्मेदारियां हैं. पहले उनकी पोस्टिंग पोरबंदर में थी लेकिन इलाज के फॉलो-अप की वजह से उन्हें वडोदरा शिफ्ट होना पड़ा. महेता ने बताया, 'मैं इलाज के लिए अक्सर वडोदरा और अहमदाबाद आती थी, इसलिए वडोदरा शिफ्ट हो जाना सुविधाजनक रहा. 'महेता के साथ वडोदरा कलेक्ट्रेट की चुनाव शाखा में कुल छह अधिकारी हैं. उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में कहा कि टीम ने उनका बड़ा साथ दिया है. महेता ने कहा, 'मैं एक महिला के रूप में अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए उत्साहित हूं. यहां मेरे साथ मेरे परिवार की तरह हैं और मुझे सहज रहने दिया है. 'लंबी काउंसलिंग के बाद कराई सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी2020 में सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी से पहले, महेता को चार साल तक काउंसलिंग और थेरेपी से गुजरना पड़ा. वह कक्षा 9 से अपनी जेंडर आइडेंटिटी को लेकर जूझ रही थीं. उन्होंने कहा, 'उस वक्त मेरे लिए किसी से कुछ भी कहना बड़ा मुश्किल था. 2012 के आसपास जाकर मैंने तय किया कि मैं एक महिला बनना चाहती हूं.'

सर्जरी के बाद महेता को लगा कि कहीं उनकी नौकरी न चली जाए. दूसरे राज्यों में ऐसा करने वालों को दिक्कतों के बारे में उन्होंने सुन रखा था. उन्होंने कहा, 'दूसरे राज्यों में सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी कराने वालों में से कुछ को अदालत तक जाना पड़ा. ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 2020 ने मुझे बचाया और तब मैंने सर्जरी कराने का फैसला किया. 'एक पुरुष के रूप में, निलेश परिवार के दबाव में आकर दो शादियां कर चुके थे. वे नाकाम रहीं. बीजल का मन भी शादी करने का है लेकिन वे समझती हैं कि पहले की शादियों में जो हुआ, उसके बाद इसमें मुश्किल आएगी.

## विवादों के बीच सैम पित्रोदा ने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, खड़गे ने किया स्वीकार

अपनी नस्लवादी टिप्पणी को लेकर चल रहे विवाद के बीच सैम पित्रोदा ने बुधवार को अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। उनके इस फैसले को सबसे पुरानी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्वीकार कर लिया है। पित्रोदा की 'विरासत कर' टिप्पणी पर अभी धूल भी नहीं जमी थी कि नेता ने भारत की विविधता पर अपनी नवीनतम टिप्पणी से सबसे पुरानी पार्टी के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी।

अक्सर राहुल गांधी के करीबी सहयोगी माने जाने वाले पित्रोदा ने कहा कि भारत के पूर्व में लोग चीनी जैसे दिखते हैं और दक्षिण में लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं। हाल के वर्षों में पित्रोदा द्वारा खड़ा किया गया यह पहला विवाद नहीं है। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले, पित्रोदा ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा था कि मध्यम वर्ग को सभी गरीब परिवारों के लिए न्यूनतम आय की गारंटी के लिए अधिक कर देने के लिए तैयार रहना चाहिए, और उनसे स्वार्थी न होने के लिए कहा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम को बाद में स्पष्ट करना पड़ा कि अगर कांग्रेस सत्ता में लौटी तो मध्यम वर्ग पर कोई अतिरिक्त कर का बोझ नहीं पड़ेगा।

तब बालाकोट में भारतीय वायुसेना के हमले और आतंकवाद का मुकाबला करने पर उनकी टिप्पणियों पर भाजपा ने तीखे हमले किए थे। पित्रोदा ने कहा था कि हमला मुंबई में भी हुआ। हम तब प्रतिक्रिया दे सकते थे और अपने विमान भेज सकते थे। लेकिन यह सही दृष्टिकोण नहीं है। आठ लोग (26/11 आतंकवादी) आते हैं और कुछ करते हैं, आप पूरे देश (पाकिस्तान) पर नहीं कूदते। यह मान लेना मूर्खतापूर्ण है कि सिर्फ इसलिए कि कुछ लोगों ने यहां आकर हमला किया, उस देश के प्रत्येक नागरिक को दोषी ठहराया जाएगा।

2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान, जब भाजपा ने दावा किया कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए निर्देश राजीव गांधी से आए थे, तो पित्रोदा ने आरोप से इनकार किया लेकिन कहा कि अब 1984 के बारे में क्या कहना है? पिछले 5 वर्षों में आपने क्या किया इसके बारे में बात करें। 1984 में जो हुआ वह हो गया। लेकिन आपने क्या हासिल किया है? बाद में पित्रोदा ने माफी मांगी और कांग्रेस ने स्पष्टीकरण जारी किया। जून 2023 में पित्रोदा ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी की मौजूदगी में कहा था, हमारे सामने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य की समस्या है। इन चीजों के बारे में कोई बात नहीं करता. लेकिन हर कोई राम, हनुमान और मंदिर की बात करता है। मैंने कहा है कि मंदिर नौकरियां पैदा नहीं करने जा रहे हैं।

## Pakistan ने चूड़ियां नहीं पहन रखी है, फारूक अब्दुल्ला की चेतावनी- भारत ने PoK पर नजर डाली तो एटम बम गिरेगा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया। देश के एक वीर सपूत ने अपने प्राणों की आहूति दे दी। सुरक्षाबल आतंकवादियों को पकड़ने और उन्हें जहन्नुम पहुंचाने के लिए चप्पे चप्पे पर तैनात हैं। लेकिन देश के नेता 2024 के चुनावी माहौल में शाहदत पर सियासत चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। सीमा पार से आतंकियों को भारत में आतंक फैलाने के लिए भेजा जाता है। पूंछ में आतंकी हमला होता है। घात लगाकर हमले को अंजाम दिया जाता है। आतंकी हमले में हमारे देश के वीर सपूत शहादत देते हैं। लेकिन इस बीच घाटी के नेता खून से लिखकर चेतावनी देने की बात कर रहे हैं। सियासत चमका रहे है। आतंकी हमले की टाइमिंग को लेकर सवाल उठा रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी है।

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं जिनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ किया जा सकता है। वरिष्ठ एनसी नेता पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत में विलय करने के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। अगर रक्षा मंत्री यह कह रहे हैं, तो आगे बढ़ें। हम रोकने वाले कौन होते हैं? लेकिन याद रखें, उन्होंने (पाकिस्तान) भी चूड़ियाँ नहीं पहनी हैं। उसके पास परमाणु बम हैं और दुर्भाग्य से वह परमाणु बम हम पर गिरेगा। इससे पहले अप्रैल में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में एक रैली को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विश्वास जताया था कि देश के चल रहे विकास को देखते हुए पीओके के लोग अंततः भारत का हिस्सा बनने की मांग करेंगे।राजनाथ सिंह ने दर्शकों को आश्वस्त करते हुए कहा था कि चिंता मत करें। पीओके हमारा था, है और हमारा रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति, प्रतिष्ठा और आर्थिक प्रगति के कारण पीओके के लोग भारत में शामिल होना चाहेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कटक में एक संवाद सत्र के दौरान दोहराया कि पीओके भारत का अभिन्न अंग है।

## बताओ कहां आना है, 15 सेकेंड वाले बयान पर सियासत गर्मायी, IMIM के साथ कांग्रेस भी आई

हैदराबाद में बीजेपी नेता नवनीत रवि राणा के 15 सेकंड लगेंगे वाले बयान पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैं मोदी जी से कहता हूं- उन्हें 15 सेकंड दीजिए। आप क्या करेंगे? उन्हें 15 सेकंड दीजिए, 1 घंटा दीजिए। हम भी देखना चाहते हैं कि आपमें इंसानियत बची है या नहीं, डर किसको है? हम तैयार हैं। अगर कोई इसके लिए खुला आह्वान कर रहा है तो ठीक है। पीएम आपका है, आरएसएस आपका है, सब कुछ है तुम्हारा। करो तुम्हें कौन रोक रहा है। हमें बताओ कि हमें कहाँ आना है, हम वहाँ आएँगे।बीजेपी नेता नवनीत रवि राणा की 15 सेकंड लगेंगे वाली टिप्पणी पर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह समाज में नफरत फैला रहे हैं तो स्वाभाविक है कि उनके कार्यकर्ता और उम्मीदवार भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। औवेसी ने जो कहा है वह गलत है और नवनीत राणा ने जो कहा है वह भी बेहद शर्मनाक है। ये सभी पीएम मोदी के इशारे पर देश में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं क्योंकि पीएम मोदी ये चुनाव बुरी तरह हार रहे है। ीजेपी की नेता नवनीत राणा के बयान से अमरावती का सियासी पारा बढ़ गया है। नवनीत राणा के एक बयान के बाद उन पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नवनीत राणा का एक वीडियो वायरल हो रहा है कि 15 सेकेंड के लिए पुलिस हटा लो ओवैसी भाईयों को पता नहीं चलेगा कि कहां से आए थे और कहां चले गए। आपको बता दें कि कुछ साल पहले असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने एक बयान में कहा था कि अगर 15 मिनट पुलिस हट गई तो हम तुम्हें बता देंगे। अकबरुद्दीन ओवैसी के 15 मिनट वाले बयान के जवाब में नवनीत राणा ने 15 सेकेंड वाला बयान दिया है।

# अखिलेश यादव बोले- ये संविधान बचाने का चुनाव, इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनता कर रही वोट

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि देश में लोकसभा चुनाव संविधान के रक्षकों और उसके भक्षकों के बीच मुकाबला है। उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा कि जनता ने अब तक हुए चुनावों में समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ये चौथे चरण का चुनाव होने जा रहा है, अभी तक जितने चरण हुए हैं समाजवादी पार्टी और इ्रह्यद्ब गठबंधन के पक्ष में जनता ने सबसे ज्यादा वोट किया है। पहले चरण से जो हवा चली है उसने भारतीय जनता पार्टी को पलट दिया है।

सपा नेता ने कहा कि पिछले दस साल का हिसाब किताब निकालें इन भारतीय जनता पार्टी के लोगों की हर बात झूठी निकली, हर वादा झूठा निकला। उन्होंने कहा कि 16 लाख करोड़ रुपए बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीबों और किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। इ्रह्यद्ब गठबंधन और समाजवादी सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग अग्निवीर को स्वीकर नहीं कर सकते हैं, जब भी समाजवादी सरकार बनेगी अग्निवीर व्यवस्था को खत्म करने का काम करेंगे। इन्होंने महंगाई बढ़ा दी, बेरोजगारी बढ़ा दी, नौकरी ले ली, किसानों को धोखा दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि ये लोग संविधान बदलना चाहते हैं और हम लोग संविधान बदलने वालो को बदल देंगे। ये संविधान बचाने का चुनाव भी है। फर्रुखाबाद में अखिलेश ने कहा कि मैं सोचता हूं कहां से बात शुरू करूं, ये जो नौजवान दिखाई दे रहे हैं इन्होंने मन बना लिया है, ठान लिया है इस बार ये बीजेपी सरकार बचेगी नहीं। उन्होंने कहा कि हमारा किसान कर्ज के बोझ में दबता जा रहा है, इन लोगों ने बड़े- बड़े उद्योगपतियों का 16 लाख करोड़ रूपए माफ कर दिया लेकिन हमारे गरीब और किसान जिनका लाखों का कर्ज था उसको माफ नहीं किया।

पूर्व सीएम ने दावा किया कि इन बीजेपी वालों ने नौकरी ना देकर के हमारे नौजवानों का 10 साल नहीं एक तिहाई जीवन खराब कर दिया, कोई भविष्य नहीं। अग्निवीर वाली भर्ती आई, ये अग्निवीर भर्ती हम लोग स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनाव हमारा आपका तो है ही लेकिन ये चुनाव हमारी आने वाली पीढ़ी का चुनाव है। ये बीजेपी वाले संविधान को खत्म करना चाहते हैं, जो संविधान को बदलना चाहते हैं उन्हें फर्रुखाबाद की जनता बदल देगी।

## तिहाड़ जेल से रिहा हुए अरविंद केजरीवाल, 1 जून तक मिली है अंतरिम जमानत

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को मौजूदा लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार शाम को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया।मुख्यमंत्री अब अपने आधिकारिक आवास की ओर जा गए जहां उनका परिवार, आप नेता और पार्टी समर्थक स्वागत किया। शीर्ष अदालत ने 50 दिन की हिरासत के बाद लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की रिहाई देते हुए केजरीवाल को सात चरण के मतदान के अंतिम चरण के समाप्त होने के एक दिन बाद 2 जून को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। गाड़ी की सनरूफ खोलकर केजरीवाल बाहर आए और संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों के बीच आकर अच्छा लग रहा है। मैंने कहा था कि मैं जल्दी आऊंगा, आ गया। उन्होंने कहा, 'आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। सुप्रीम कोर्ट के जजों का शुक्रिया अदा करता हूं।

### शर्तों पर मिली जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने निम्नलिखित शर्तों पर सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी। उन्हें जेल अधीक्षक की संतुष्टि के लिए 50,000 रुपये की राशि में जमानत बांड और इतनी ही राशि की एक जमानत राशि देनी होगी। वह मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय का दौरा नहीं करेंगे। वह अपनी ओर से दिए गए बयान से बाध्य होंगे कि वह आधिकारिक फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे जब तक कि यह आवश्यक न हो और दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक न हो।

वह वर्तमान मामले में अपनी भूमिका के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे और वह किसी भी गवाह के साथ बातचीत नहीं करेंगे और/या मामले से जुड़ी किसी भी आधिकारिक फाइल तक उनकी पहुंच नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरिम जमानत देने को मामले की योग्यता या आपराधिक अपील पर राय की अभिव्यक्ति के रूप में नहीं माना जाएगा जो उसके समक्ष विचाराधीन है। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं और एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निस्संदेह, गंभीर आरोप लगाए गए हैं, लेकिन उन्हें दोषी नहीं ठहराया गया है। उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है. वह समाज के लिए खतरा नहीं है।

### आप नेताओं ने क्या कहा

आम आदमी पार्टी का जोश हाई है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट ने संविधान में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को आशा की किरण दी है। आप नेता आतिशी ने कहा कि सिर्फ अरविंद केजरीवाल को ही अंतरिम जमानत नहीं मिली है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सत्य की जीत हुई है, यह लोकतंत्र और संविधान की जीत है। लोकतंत्र की रक्षा में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी भूमिका निभाई है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 40 दिन में अंतरिम जमानत मिलना किसी चमत्कार से भी ज्यादा है। स्ष्ट के माध्यम से यह ईश्वर का संकेत है कि भारत में जो कुछ भी हो रहा है, उसमें बदलाव की जरूरत है।

## सड़कों पर ट्रकों की दादागिरी!

### यू-टर्न ले रहे ट्रक में घुसी कार, 6 लोगों की मौके पर ही मौत

5 मई को राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में एक कार के ट्रक से टकरा जाने से एक ही परिवार के कम से कम छह सदस्यों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बनास नदी पुल के पास हुई। पुलिस ने बताया कि परिवार सवाई माधोपुर के एक गणेश मंदिर में पूजा करने जा रहा था।राजस्थान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर गलत यू-टर्न ले रहे एक ट्रक में उनकी कार के घुस जाने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो बच्चे भी घायल हो गए और ट्रक का ड्राइवर फरार है। सवाई माधोपुर जिले में बनास नदी पुल के पास रविवार को हुई यह दुर्घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें ट्रक चालक की लापरवाही सामने आई। फुटेज में कार ट्रक के पीछे जाती दिख रही है। अचानक ट्रक ने यू-टर्न ले लिया और परिणामस्वरूप तेज गति से जा रही कार उसमें जा घुसी।

पुलिस के मौके पर पहुंचने और ट्रक को जब्त करने से पहले चालक मौके से भाग गया। पीड़ितों की पहचान मनीष शर्मा, अनीता शर्मा, सतीश शर्मा, पूनम, संतोष और कैलाश के रूप में हुई। वे सीकर जिले से रणथंभौर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर जा रहे थे।इस बीच, अतिरिक्त एसपी दिनेश कुमार ने कहा कि दो घायल बच्चों को जयपुर रेफर किया गया है और बताया जा रहा है कि उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने यह भी कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी ड्राइवर की पहचान कर ली गई है और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शोक व्यक्त किया।

# माती से रवाना हुई पोलिंग पार्टियां

बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। आज होने वाले मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां माती जिला मुख्यालय से रवाना की गई। इस दौरान डीएम आलोक सिंह और पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा मतदान को सकुशल, शांतिपूर्ण व सुचारु रुप से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट परिसर माती में पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टियों को मतदान सामग्री प्राप्त करने के लिए निर्धारित स्थल एवं बैरिकेडिंग सहित विभिन्न व्यवस्थाएं देखीं गयी। पोलिंग पार्टियों को रवाना करते हुए चुनाव आयोग के दिशा- निर्देशों से अवगत कराया गया।

## 2027 मतदेय स्थलों से होगी वेबकास्टिंग, क्रिटिकल बूथों पर कराई जाएगी वीडियोग्राफी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पोलिंग पार्टियों की रवानगी से दो दिन पहले क्रिटिकल व वल्नरेबल बूथों पर वेबकास्टिंग सेटअप लगाने का काम चालू हो गया है। प्रशासन स्तर पर जिन बूथों पर वीडियोग्राफी की जानी है, वहां इलेक्ट्रिक कनेक्शन का भी काम तेजी से किया जा रहा है। एडीएम भू अध्यास्ति रिंकी जायसवाल ने बताया कि सकुशल और शांतिपूर्वक चुनाव के लिए प्रशासन स्तर पर क्रिटिकल, वल्नरेबल और सामान्य मतदान केंद्रों का निर्धारण किया जाता है। उसी हिसाब से बूथों पर सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं लागू होती हैं। वल्नरेबल और क्रिटिकल बूथों पर प्रशासन की विशेष नजर रहती है। उन्होंने बताया कि जिले में चिह्नित 2027 मतदान केंद्रों पर इस बार वेबकास्टिंग कराई जाएगी। जिसमें वल्नरेबल और क्रिटिकल बूथ शामिल हैं। वेबकास्टिंग की टीम आ चुकी हैं और दो दिन से बूथों पर सेटअप तैयार करने का काम चालू है। वेबकास्टिंग के कुल बूथों को चुनाव के लिए स्थापित कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। जहां से निगरानी की जाएगी।

**प्रचार थमा, अब सिर्फ घर-घर जनसपंर्क**

जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि चुनाव प्रचार का शोर शनिवार शाम छह बजे से थम गया है। अब प्रत्याशी सिर्फ घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकते हैं। इस पर टीमें लगातार नजर रख रही हैं।

**होटलों में चेकिंग शुरू-** चुनाव प्रचार बंद होने के साथ ही सभी पार्टियों के राजनीतिक पदाधिकारी, पार्टी कार्यकर्ता और प्रचार करने वाले पदाधिकारी व अन्य लोग जो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के वोटर नहीं हैं या विधानसभा क्षेत्र के निवासी नहीं है, वह विधानसभा क्षेत्र में चुनाव तक नहीं रह सकते हैं। इसके लिए पुलिस टीम शनिवार शाम से ही होटल व अन्य स्थानों पर चेकिंग करने लगी हैं। ऐसे लोगों के पाए जाने पर उनके खिलाफ चुनाव आयोग के नियमों के आधार पर कार्रवाई भी जाएगी।

**प्रत्याशी एक ही वाहन का कर सकते प्रयोग**

चुनाव प्रचार बंद होने के बाद से प्रत्याशी केवल एक ही वाहन प्रयोग कर सकते हैं।

इसी तरह एक ही वाहन प्रत्याशी का एजेंट प्रयोग करेगा। इसी तरह एक अतिरिक्त वाहन प्रति विधानसभा में प्रत्याशी का एजेंट, कार्यकर्ता या पार्टी कार्यकर्ता के लिए मान्य होगा। कुल तीन वाहनों की ही अनुमति है।

**एक वाहन में पांच व्यक्ति से ज्यादा नहीं**

जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि एक वाहन में चालक समेत पांच से ज्यादा लोगों के बैठने की अनुमति नहीं है। अगर कोई प्रत्याशी निर्वाचन क्षेत्र से अनुपस्थिति रहता है

तो किसी अन्य व्यक्ति को खुद के लिए आवंटित वाहन नहीं दे सकता है। इसकी अनुमति नहीं है। किसी भी राजनेता को दूसरे का वाहन प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्याशी या एजेंट पोलिंग बूथ तक मतदाता को लाने के लिए वाहन का प्रयोग नहीं कर सकते हैं।

## मतदाताओं के हाथ, प्रत्याशियों का भाग्य

◂◂ कानपुर से बीजेपी प्रत्याशी पूर्व पत्रकार रमेश अवस्थी, गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा और बसपा से कुलदीप भदौरिया सहित 11 मैदान में

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।सोमवार को प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मतदाता लिखेंगे। वोटिंग के लिए जिला प्रशासन ने बडे पैमाने पर इंतजाम किए हैं। सुबह 7 बजे से लेकर लेकर शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। मतदान प्रतिशत बढाने के लिए कई जतन आयोग ने किए हैं। हालांकि, मतदाताओं में वोट देने को लेकर उत्साह भी देखा जा रहा है ।उत्तर प्रदेश में कानपुर-बुंदेलखंड की सबसे अहम सीट कानपुर में इस बार बीजेपी ने पत्रकार रहे रमेश अवस्थी को चुनाव मैदान में उतारा है। यह सीट पिछले कई पंच वर्षीय से बीजेपी के पास है। 2019 में भाजपा प्रत्याशी सत्यदेव पचैरी करीब 1 लाख 60 हजार वोटों से चुनाव जीते थे। पचैरी को 4 लाख 67 हजार वोट मिले थे। उस समय कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल चुनाव हारे थे। तीसरे नंबर पर सपा के रामकुमार रहे थे। इसबार भी लडाई गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा से है। आलोक कांग्रेस से प्रत्याशी हैं और वह कानपुर में डीपीएस स्कूल संचालित करते हैं। श्रीप्रकाश जायसवाल के सापेक्ष आलोक गैर राजनैतिक व्यक्ति हैं। कुलदीप भदौरिया बसपा से हैं। जनता इन तीनों के भाग्य का फैसला वोट से करेगी।

## अकबरपुर में भोले के सिर फिर सजेगा ताज!

चार संसदीय क्षेत्र में बंटा कानपुर देहात जिले का अकबरपुर-माती जिला मुख्यालय है। अकबरपुर लोकसभा सीट से लगातार दो पंचवर्षीय से बीजेपी के देवेंद्र सिंह भोले चुनाव जीत रहे हैं। पिछली बार 5 लाख 81 हजार वोट मिले थे। उन्होने विपक्षी प्रत्याशी को ढाई वोट से हराया था। भोले तीसरी बार हैट्रिक लगाने के लिए मैदान में हैं। उनकी छवि जमीनी नेता की है। वहीं, गठबंधन प्रत्याशी राजाराम पाल पहले भी सांसद चुने जा चुके हैं उनके राजनीतिक जीवन में भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे। संसद में प्रश्न पूछने के बदले पैसे लेने के स्टिंग ऑपरेशन में फंसने से उनका राजनैतिक करियर तबाह हो गया था लेकिन एक बार फिर से वह जनता की परीक्षा में हैं। उनकी भी जमीन से जुडे नेताओं में गिनती की जाती है। वहीं, बसपा से बिजनेसमैन राजेश द्विवेदी मैदान में है। उनको राजनीति और क्षेत्र की एबीसीडी भी नहीं पता लेकिन पैसे के बल पर किस्मत अजमा रहे हैं।

## भारत एवं नेपाल आश्रम में धूमधाम से मनाया गया भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव

◂◂ जल्द ही श्री रामचरितमानस की तरह भगवान श्री परशुराम चरित्रमानस लिखने की तैयारी

◂◂ करौली शंकर महादेव ने कहा की जगह-जगह स्थापित होनी चाहिए भगवान श्री परशुराम जी की प्रतिमा

◂◂ शंकर सेना ने जेल रोड चौराहे को भगवान श्री परशुराम चौराहा नामकरण करने का दिया कानपुर महापौर को ज्ञापन

कानपुर। करौली शंकर महादेव धाम कानपुर एवं नेपाल के आश्रम में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया. आश्रम में मौजूद भक्तों को गुरुदेव द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के चरित्र से जुड़ी कथाएं भी सुनाई गई। उन्होंने बताया की भगवान श्री परशुराम विष्णु जी के छठवें अवतार हैं। ये चिरंजीवी होने से कल्पांत तक स्थायी हैं। इनका प्रादुर्भाव वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हुआ, इसलिए उक्त तिथि अक्षय तृतीया कहलाती है। आश्रम में मौजूद भक्तों को गुरु जी के द्वारा भगवान श्री परशुराम जी के चित्र को भी दिया गया. करौली शंकर महादेव ने बताया कि दरबार द्वारा एक टीम बनाई गई है ।जिसके द्वारा जल्द ही श्री रामचरितमानस की तरह भगवान श्री परशुराम चरित्र मानस लिखने की तैयारी की जा रही है . जिससे लोग अपने दिमाग में मौजूद भ्रांतियां हटा पाएंगे और परशुराम जी के चरित्र को ठीक से समझ पाएंगे. करौली शंकर महादेव ने कहा कि जैसी स्मृतियां होती हैं वैसा ही इंसान पैदा होता है.इस दौरान करौली शंकर महादेव ने बताया शंकर सेना के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध चोपड़ा एवं नगर अध्यक्ष विकास बाजपेई एवं विनय वर्मा द्वारा महापौर प्रमिला पांडे को एक ज्ञापन दिया गया है जिसमें जेल रोड चौराहे का नाम बदलकर भगवान श्री परशुराम चौराहा किए जाने की मांग की गई है.उन्होंने कहा कि दरबार द्वारा वहां पर भगवान श्री परशुराम जी की एक भव्य प्रतिमा लगाई जाएगी. करौली शंकर महादेव ने कहा कि नगर निगम को वहां एक भी रुपए खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी ।उस चौराहे की साज सज्जा सुंदरीकरण का खर्चा दरबार द्वारा वहन किया जायेगा. बस कागजों में चौराहे का नाम भगवान श्री परशुराम चौराहा अंकित करके सदन में पारित करना है. साथ ही गुरु जी ने उन पार्षदों का भी धन्यवाद अदा किया जिन्होंने शंकर सेना को अपना सहमति पत्र दिया है कि उस चौराहे का नाम परशुराम चौराहा रखा जाए. करौली शंकर महादेव ने कहा कि भगवान श्री परशुराम जी के मंदिर जगह-जगह होने चाहिए. जिससे की हम उनके नाम को याद करते रहे. केवल अक्षय तृतीया के दिन उनके जन्मोत्सव पर ही उनके नाम को याद ना करें। भगवान श्री परशुराम जयंती पर हजारों भक्त करौली शंकर महादेव धाम पर मौजूद रहे इस अवसर पर विशाल भंडारा प्रसाद शरबत छाछ आदि हजारों भक्तो को वितरित किया गया।

# भीड़ जुटाने में नाकाम रहे आलोक मिश्रा

- पांडाल में कुर्सियां खाली होने के कारण एक घंटा लेट पहुंचे राहुल और अखिलेश
- अखिलेश और राहुल के प्रोग्राम में माहौल बनाने से चुके सिटी के नेता
- मिस मैनेजमेंट के कारण पिछड़ते जा रहे गठबंधन प्रत्याशी आलोक मिश्रा

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और राहुल गांधी की कानपुर के चुन्नीगंज जीआईसी मैदान में जनसभा आयोजित हुई। जहां इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी आलोक मिश्रा समर्थकों की भीड़ जुटाने में नाकाम रहे। पांडाल में 2 बजे तक भीड़ न होने के कारण दोनों नेता करीब 1 घंटे लेट पहुंचे। इस दौरान अखिलेश और राहुल गांधी ने भाजपा को घेर कर आलोक मिश्रा को वोट देने की अपील की।

सपा सुप्रीमो अखिलेश ने संबोधन के दौरान कहा कि हमारा पंडाल भरा है जहाँ छाया नहीं है वहां भी हमें भीड़ दिखा रही है। गवर्नमेंट इंटर कॉलेज में ही तय हो जायेगा कि अब गवर्नमेंट बदलने वाली है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए बोले कि ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा झूठ बोलने वाली पार्टी बीजेपी है। भाजपा ने 10 सालों में एक भी वादा पूरा नहीं किया। चुनाव का चौथा चरण भाजपा का बैलेंस खराब कर देगा। चार चरण बहुत हैं भाजपा का सफाया करने के लिए। कहा कि लोगों को जबरदस्ती वैकसीन लगवा दी गई। सरकार बनी तो अग्निवीर की परीक्षा और व्यवस्था हमेशा के लिए खत्म कर दी जाएगी। यह लोग लेबर कॉलोनी को भी हड़पना चाह रहे हैं। यह जो मेट्रो चल है यह समाजवादियों की देन है। राहुल गांधी ने संबोधन शुरु कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश में 50 सीटों से काम नहीं मिल रहे है। मीडिया पर कहा कि इनको बच्चे पालने है। यह कभी सच नहीं बोलेंगे। सारे प्रत्याशियों का नाम लेने के बाद भेजा वापस। कार्यकर्ताओ को बोला मेरे बब्बर शेरों आपमें बहुत जोश है। हम नरेंद्र मोदी के खिलाफ 3 साल से लड़ रहे है। नफरत के बाजार में हमने मोहब्बत की दुकान खोली। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हमने प्यार दिखाया। 4 जनू 2024 मोदी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नहीं बनेगे, यह बात लिख के ले लो। हमने जो मेहनत करनी थीं वो कर दिया।

वही कार्यक्रम के दौरान कई जगह पर अव्यवस्था और धक्का मुक्की की खबरें सामने आई। इस पर पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

फोटो खिंचाने के लिए हुडदंग करते कार्यकर्ता

2 बजे तक पंडाल में खाली पड़ी थी कुर्सियां

## कन्नौज से सपा ने क्यों नहीं उतारा मुस्लिम उम्मीदवार ?

बसपा अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उसने कन्नौज से एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा, क्योंकि वह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के परिवार से आगे नहीं देख सकती है. बसपा प्रमुख ने दलितों और मुसलमानों सहित वंचित वर्गों से लोकसभा चुनाव में यादव की पार्टी को एक भी वोट नहीं देने को कहा है. कन्नौज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बसपा अध्यक्ष ने कहा कि जिस निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रमुख चुनाव लड़ रहे हैं. कैसे यादव ने अपनी सरकार के दौरान, दलित में पैदा हुए महापुरुषों के नाम पर उनकी सरकार द्वारा नामित जिलों के नाम बदल दिए थे.उन्होंने कहा कि भले ही कन्नौज में मुस्लिम बड़ी संख्या में हैं, लेकिन सपा इस समुदाय को टिकट नहीं देती है और आरोप लगाया कि सपा परिवार से यादवों को चुनाव में उतारा जाता है,

क्योंकि पार्टी उनके परिवार से आगे नहीं देख पाती है.उन्होंने कहा,यहां मुस्लिम आबादी अच्छी-खासी है लेकिन सपा मुसलमानों को टिकट नहीं देती है. उनके पास अपने परिवार से अलग समय नहीं है और यादवों को सपा परिवार ने मैदान में उतारा है।

# लाखों वोटों से सांसद बनेंगे भोले: डा0 सतीश शुक्ला

- अकबरपुर-रनियां विधानसभा संयोजक डा. सतीश शुक्ला ने कहा कि मतदाताओं का मिल रहा अपार जनसमर्थन
- तीसरी बार रिकार्ड मतों से होगी जीत
- कानपुर देहात जिले में सदर विधानसभा है अकबरपुर रनियां

## योगी की घाटमपुर जनसभा से बढ़ा और उत्साह

डा. सतीश शुक्ला ने बताया कि बुधवार को सीएम योगी की घाटमपुर में आयोजित जनसभा में उमडा जनसैलाब इस बात का इशारा कर रहा था कि जनता सरकार के कार्यो से बहुत प्रभावित है। उप्र सरकार ने गुंडाराज, माफियाराज पर नियंत्रण कर लिया है। सीएम योगी घाटमपुर की रामसारी चीनी मिल और पावर प्लांट शुरू किए जाने की ऐलान किया है। इसके अलावा गुलामी की प्रतीक अकबरपुर का नाम भी बदला जाएगा।

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। केंद्र की मोदी सरकार और योगी सरकार की जन कल्याण कारी नीतियों का असर जनता में दिख रहा है। गांव गांव में योजनाओं का क्रियावन्यन ईमानदारी के साथ किया गया है। तीसरी बार देवेंद्र सिंह भोले लाखों मतों के साथ सांसद बनेंगे। यह बात अकबरपुर रनियां विधानसभा के संयोजक डा0 सतीश शुक्ला ने कही। उन्होने बताया कि कानपुर देहात जिले के अकबरपुर कस्बे के नाम से अकबरपुर लोकसभा सीट का गठन है। इस लोकसभा में कानपुर की किदवईनगर, बिठूर, कल्यानपुर और घाटमपुर के हिस्से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जन जन तक कई ऐसी योजनाएं पहुंचाई जिनको सच्चाई के साथ पहुंचाना सपना था। क्यों कि पूर्व की सरकारों का भ्रष्टाचार जगजाहिर है। उज्जवला योजना, हर घर जल योजना, किसान सम्मान निधि, फ्री राशन के साथ, आयुष्मान कार्ड जैसी कई बहु आयामी योजनाएं हैं। जिनसे सामजिक बदलाव हुए हैं। जनता का भरपूर समर्थन और रूझान मिल रहा है। बीजेपी के कार्यकर्ता रात दिन प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं।

# वोट करेंगे, लोकतंत्र मजबूत करेंगे

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन की टीम वोटर्स को जागरूक करने के लिए जोर शोर से जुट गयी है. बैनर, पट्टी पम्पलेट लेकर सुबह से शाम तक लोकतंत्र के प्रति वोट करने की जागरूकता फैलाई जा रही है।कसरत से पहले कर्तव्य निभाएंगे, हम वोट करने जरूर जाएंगे। वोट हमारा अधिकार है, देश के लोकतंत्र का आधार है। सुबह सडकों पर मॉर्निंग वाकर्स के बीच नारों के साथ आवाज उठी. दरअसल वोटर्स जनजागरण के तहत शहर की संस्था पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश (पीडब्ल्यूए) की टीम ने आम चुनाव में बढ़चढ़ कर वोट करने को लेकर अभियान छेड़ा है। जगह जगह चौपाल लगाकर, सडकों पर टहलते हुए, पार्कों में लोगों को वोट करने की अपील की जा रही जिससे शत प्रतिशत वोटिंग हो सके।बुधवार को प्रातः शहर केइन्द्रानगर कल्यानपुरइलाके की सड़कों पर वोट करने को लेकर पीडब्ल्यूए की टीम ने मार्निंग वॉकर्स के बीच पंफ्लेट, व आपसी संवाद के माध्यम से वोट की अपील की। इसी दौरान इंद्रानगर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। लोगों ने वोट डालने की शपथ ली और कहा कि हम खुद वोट डालने जाएंगे और अपने आसपास लोगों को प्रेरित भी करेंगे। पीडब्ल्यूए के महासचिव पंकज कुमार सिंह ने बताया कि भोर के समय से और रात्रि तक संस्था की टीम अलग अलग इलाकों में लोगों को लोक सभा चुनाव में वोट डालने की अपील कर रही है। इसके लिए हस्ताक्षर अभियान और पंफ्लेट व नारों के साथ लोगों को जागरुक किया जा रहा है। उन्होंने बताया उंगली पर वोट का निशान, राष्ट्र के प्रति कर्तव्य की पहचान है। बताया कि 13 मई के दिन भोर से ही लोगों के दरबाजे पर दस्तक देकर वोट डालने की अपील करेंगे। डॉक्टर सत्येन्द्र कटियार, वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कटियार, अधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, रामजी कटियार, डॉ रेनू यादव, ममता, ज्योति, आदि मौजूद रहे।

# कानपुर: चुनाव प्रचार के अंतिम दिन जम कर गरजे सीएम योगी आदित्यनाथ

## सीएम ने कहा कि कानपुर और अकबरपुर सिटी को हम ही जीतेंगे

## कानपुर के बाबूपुरवा और देहात के झिंझक कस्बे में सीएम योगी आदित्यनाथ की हुई जनसभा

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर।लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन, शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानपुर पहुंचे। कानपुर के बाबूपुरवा सेंट्रल पार्क के किदवई नगर से प्रत्याशी रमेश अवस्थी तथा अकबरपुर लोकसभा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के समर्थन में आयोजित जनसभा में वह कोंग्रेस के विरुद्ध जमकर बरसे।

योगी ने कहा यदि कोंग्रेस सत्ता में आई तो देश का अहित करेगी, उन्होने कहा कि समाजवादी वही पार्टी है,जिसने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थी। कहा इंडी गठबंधन वाले आतंकवादियों के प्रति दिल मे नरमी रखते है, ऐसे में यदि इनकी सरकार आई तो क्या होगा। कहा यदि देश व धर्म को बचाना है तो भाजपा के हाथों को मजबूत करना होगा, इसलिये भाजपा के प्रत्याशियों के समर्थन कीजिये औरउन्हें वोट देकर विजयी बनाने का काम करिए। जनसभा के दौरान मंच पर तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्षता प्रेमलता सहित छात्र संघ नेता पीयूष सिंह तथा अखंड पांडे भाजपा में शामिल हुए। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालो को पटका पहनाकर शपथ दिलाई गई।

वही मुख्यमंत्री का भाषण सुनने आए मुस्लिम भाजपा समर्थको में भी जोश कम नहीं था। लोग मोदी, योगी जिंदाबाद, अबकी बार फिर मोदी सरकार व 400 पार के नारे लगा रहे थे। लोगों ने पत्रकार के पूछने पर जवाब दिया कि मोदी सरकार सभी जाति वर्ग के लिए कार्य कर रही है। तीन तलाक का मुद्दा सही था इसे हटाना मोदी सरकार का सही कदम बताया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाते हुए बताया कि राम सभी के हैं।

### मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अखिलेश यादव पर वार

## सपा अपराधियों और आतंकवादियों के साथ, आज बदल रहा यूपी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि यूपी में समाजवादी पार्टी (एसपी) के शासन के दौरान अराजकता थी, हमारी बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, हर जगह गुंडों की भीड़ थी लेकिन अब यह नया भारत है, नये उत्तर प्रदेश में आज 'माफिया', अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। सपा प्रमुख पर हमला करते हुए योगी ने कहा कि कल्याण सिंह के निधन पर तो अखिलेश यादव ने शोक संवेदना व्यक्त नहीं की लेकिन वह मुख्तार अंसारी के घर दुख व्यक्त करने पहुंचे। इससे पता चलता है कि सपा अपराधियों और आतंकवादियों के साथ है।सीएम ने कहा कि आपने दिल्ली और लखनऊ दोनों जगह सरकार बनाने में योगदान दिया है। इसीलिए भगवान राम अब अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान हैं, यह पिछले 500 वर्षों में भी अभूतपूर्व है। 500 साल में आखिरी बार भगवान राम ने जन्मभूमि पर होली खेली और अपना जन्मदिन मनाया। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा था कि आजादी के बाद से महाराजा सुहेलदेव राजभर का अपमान होता रहा। मुख्यमंत्री योगी महसी के रामपुरवा बाग में बहराइच (आरक्षित) लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी डॉ. आनन्द कुमार गोंड के पक्ष में एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। क्योंकि उन्हें डर था कि ऐसा करने पर सालार मसूद गाजी का भक्त वोट बैंक खिसक न जाए।मुख्यमंत्री ने महाराजा सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि और स्वाधीनता सेनानी राजा बलभद्र सिंह की पावन भूमि को कोटि-कोटि नमन करते हुए उपस्थित जनसमूह को अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि आज के दिन त्रेता युग और सतयुग की शुरुआत हुई थी। योगी ने कहा कि पिछली बार विधानसभा चुनाव में आया था तब आपने आशीर्वाद दिया और सुरेश्वर सिंह महसी से विधायक बने और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश सरकार ने अयोध्या में न केवल रामलला का भव्य मंदिर बनवाया, बल्कि अराजकता फैलाने वाले माफिया तत्वों का राम नाम सत्य करने का काम भी किया।

### निर्दलीय प्रत्याशी राजाराम ने खोला सपा प्रत्याशी के खिलाफ मोर्चा

## चुनाव आयोग से की शिकायत, प्रत्याशिता रद्द करने की लगाई गुहार

- बोले शिक्षा में सुधार वा विकास के लिए वोट करें लोग
- सभी प्रत्याशियों ने अकबरपुर लोकसभा की जनता से धोखा ही किया है
- राजाराम पाल अवैधानिक तरीके से रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने का काम करते है
- पूरे अकबरपुर लोकसभा में उनकी छवि अत्यंत खराब है

**बीपीएस न्यूज**

कानपुर। अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे निर्दलीय प्रत्याशी राजाराम ने कहा की लोगों को शिक्षा में सुधार वा क्षेत्र के विकास के लिए वोट करना चाहिए उन्होने क्षेत्र के सपा प्रत्याशी राजाराम पाल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए चुनाव आयोग में शिकायत कर प्रत्याशिता रद्द करने की मांग की है।

पत्रकार वार्ता मे निर्दल प्रत्याशी राजाराम ने कहा कि अभी तक आये सभी प्रत्याशियों ने अकबरपुर लोकसभा की जनता से धोखा ही किया है। उन्होंने बताया कि वह अकबरपुर लोकसभा के विकास के लिए वचनबद्ध है। पत्रकार बंधुओ के माध्यम से उन्होंने बताया कि स्कूलों में शिक्षक समय से नही आते है, शिक्षा में सुधार उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। पेयजल समस्या का निदान, सड़क और नाली का निर्माण करवाना अकबरपुर का समग्र और अभूतपूर्व विकास भी उनकी प्राथमिकता में रहेगा।

उन्होंने अकबरपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को अपात्र बताते हुए कहा कि राजाराम पाल अवैधानिक तरीके से रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने का काम करते है। जिसकी शिकायत थाना लोकसभा स्ट्रीट नई दिल्ली में दर्ज है। जिसकी जांच अभी भी चल रही है।

पूरे अकबरपुर लोकसभा में उनकी छवि अत्यंत खराब है, जनता को बहला कर वह चुनाव जीतने की बेकार कोशिश कर रहे है जो कि सम्भव नही है।

## लोकसभा चुनाव में पिछड़े वर्ग का सबसे बड़ा मुद्दा

कानपुर। वर्तमान समय में हो रहे लोकसभा चुनाव में पिछड़े वर्ग का सबसे बड़ा मुद्दा वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलाव और वैश्वीकरण के दौर में पिछड़े वर्ग के लोगों की भागीदारी कैसे हो पिछड़े वर्ग के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्राइवेट सेक्टर में भी पिछड़े वर्ग के लोगों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाया जाए जिससे पिछड़े वर्ग के लोग देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धारा में शामिल हो सके।

**बाल गोविंद साहू : शाखा मंत्री अन्य पिछड़ा वर्ग रेल कर्मचारी संगठन शाखा कानपुर**


सभी कानपुर नगर वासियों से अपील है कि आज अपने बूथ में जाकर मतदान अवश्य करें

विनय कुमार

शिक्षा संवाददाता (कानपुर नगर)

सभी कानपुर नगर वासियों से अपील है कि आज अपने बूथ में जाकर मतदान अवश्य करें

आशीष शर्मा

मोबाइल नंबर 8081216630 (132/407 - बाबूपुरवा, कानपुर)

सभी कानपुर नगर वासियों से अपील है कि आज अपने बूथ में जाकर मतदान अवश्य करें।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।